राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,८मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -४४ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बड़ा दिलचस्प है बंगाल का चुनाव-सिर्फ नंदीग्राम ही नहीं, इस सीट पर भी है महासंग्राम

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव इस बार काफी दिलचस्प होने वाला है। ममता बनर्जी और शुभेंदु अधिकारी के बीच नंदीग्राम की लड़ाई के बाद एक और सीट ऐसा है, जहां के महासंग्राम पर सबकी निगाहें हैं। पश्चिम मिदनापुर जिले में आने वाली डेबरा विधानसभा सीट की लड़ाई भी इस बार नंदीग्राम के महासंग्राम से कम नहीं है, क्योंकि यहां पर दो पूर्व आईपीएस अधिकारी एक-दूसरे के सामने सियासी दमखम दिखाने वाले हैं। टीएमसी ने जहां पूर्व आईपीएस अधिकारी हुमायूं कबीर को तो भाजपा ने भारती घोष को डेबरा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। बता दें कि देबरा विधानसभा सीट मेदिनीपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में आता है। पहले दो फेज में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को भाजपा ने अपने 57 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी। उम्मीदवारों की लिस्ट जारी होने के बाद पूर्व आईपीएस का नाम सामने आया कि वह भाजपा की ओर से डेबरा विधानसभा सीट से लड़ेंगी। बता दें कि भारती घोष भाजपा की उपाध्यक्ष भी हैं। डेबरा सीट पर इन दोनों पूर्व आईपीएस अधिकारियों के बीच सीधी टक्कर बताई जा रही है। एक ओर जहां टीएमसी की ओर से हुमायू कबीर पहली बार अपनी किस्तम आजमा रहे हैं, वहीं भारती घोष घटल से लोकसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। अब सबकी नजरें डेबरा सीट पर ही है, क्योंकि यहां मुकाबला दो पूर्व आईपीएस अधिकारियों के बीच में है। रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा की ओर से इस सीट पर भारती घोष का नाम सामने आने के बाद टीएमसी उम्मीदवार हुमायूं कबीर ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा किए गए विकास पर ही मैं वोट मांगूंगा। यह चुनाव का समय है, इसलिए मुझे किसी न किसी के खिलाफ लड़ना होगा। इस सीट पर अन्य उम्मीदवार भी होंगे, इसलिए इसे सिर्फ मेरे और भारती घोष के बीच की लड़ाई के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

पीएम जनऔषधि योजना 'सेवा और रोज़गार' का माध्यम है- प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जन औषधि दिवस समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शिलांग में बने 7500वें जनऔषधि केंद्र को देश को समर्पित किया । उन्होंने कहा कि गरीबों और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए देशभर में पीएम जनऔषधि योजना चलाई जा रही है। यह योजना 'सेवा और रोज़गार' का एक माध्यम है, क्योंकि यह युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्रदान करती है। हमारी बहनों और बेटियों को सिर्फ ढाई रुपये में सैनिटरी पैड उपलब्ध कराए जाते हैं तो इससे उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर होता है। अब तक 11 करोड़ से ज़्यादा सैनिटरी नैपकिन इन केंद्रों पर बिक चुके हैं। देश में जनऔषधि केंद्रों पर 75 आयुष दवाएं उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि जनऔषधि योजना से पहाड़ी क्षेत्रों, नॉर्थईस्ट,जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले देशवासियों तक सस्ती दवा देने में मदद

मिल रही है। आज जब 7500वे केंद्र का लोकार्पण किया गया तो वो शिलांग में हुआ है। इससे स्पष्ट है कि नॉर्थ-ईस्ट में जनऔषधि केंद्रों का कितना विस्तार हो रहा है। उन्होंने 'प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना' के लाभार्थियों की दुकान' से सस्ती कीमत पर दवाइयां खरीदने का आग्रह करता हूं (लोग 'जन औषधि केंद्र' को मोदी की दुकान कहना पसंद करते हैं)। उन्होंने इस दौरान जन औषधि चिकित्सक, जन औषधि ज्योति और जन औषधि सारथी सम्मान पाने के साथ बातचीत भी की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दवाएं महंगी हैं, इसीलिए हमने गरीबों के लिए पीएम 'जन औषधि' योजना शुरू की है, जो उनके पैसे बचाता है। मैं लोगों से 'मोदी वाले लोगों को बधाई दी।

पीएमओ के अनुसार प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना का मकसद लोगों को कम कीमत पर गुणवत्ता वाली दवाइयां उपलब्ध कराना है। इन केंद्रों में 40-90 फीसद तक दवाइयां सस्ती मिलती हैं। इस वित्त वर्ष में (चार मार्च, 2021) तक इस केंद्र से दवाइयां खरीदने पर लोगों को कुल 3,600 करोड़ रुपये की बचत हुई है। जनऔषधि केंद्रों के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जानकारी देने के लिए 1-7 मार्च के हफ्ते को जनऔषधि सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। इसके लिए 'जन औषधि..सेवा भी, रोजगार भी' का नारा दिया गया है।

> *गरीबों और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए देशभर में पीएम जनऔषधि योजना चलाई जा रही है। यह योजना 'सेवा और रोज़गार' का एक माध्यम है, क्योंकि यह युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्रदान करती है। हमारी बहनों और बेटियों को सिर्फ ढाई रुपये में सैनिटरी पैड उपलब्ध कराए जाते हैं तो इससे उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर होता है। अब तक 11 करोड़ से ज़्यादा सैनिटरी नैपकिन इन केंद्रों पर बिक चुके हैं। देश में जनऔषधि केंद्रों पर 75 आयुष दवाएं उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि जनऔषधि योजना से पहाड़ी क्षेत्रों, नॉर्थईस्ट,जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले देशवासियों तक सस्ती दवा देने में मदद मिल रही है।*

म्यांमार ने भारत से कहा- सीमा पार करके गए पुलिसकर्मियों को वापस लौटाओ

नई दिल्ली। म्यांमार ने भारत से अपने उन पुलिसकर्मियों को वापस लौटाने के लिए कहा है जो कुछ दिन पहले सीमापार कर के मिजोरम में शरण लेने पहुंचे थे। ये पुलिसकर्मी म्यांमार की सेना के आदेशों से बचने के लिए भागकर भारत पहुंचे थे। बीते महीने म्यांमार की सेना ने लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गई सरकार का तख्तापलट कर सत्ता अपने कब्जे में ले ली थी। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, 1 फरवरी को हुए तख्तापलट के बाद देश में हो रहे प्रदर्शनों को दबाने के लिए कड़ी सैन्य कार्रवाई के बाद म्यांमार से करीब 30 पुलिसकर्मी और उनका परिवार हाल के दिनों में शरण मांगने के लिए सीमापार आया है। मिजोरम के चंपाई जिले में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें म्यांमार के फलम जिले में अपने समकक्ष की तरफ से एक चिट्ठी मिली है जिसमें कहा गया है कि दोस्ताना रिश्ते बनाए रखने के लिए भारत उनके आठ पुलिसवालों को वापस लौटा दे। डिप्टी कमिशनर मारिया सी.टी. जुआली ने रविवार को कहा कि वह भारत के गृह मंत्रालय से आदेश मिलने का इंतजार कर रही हैं। म्यांमार की ओर से भेजी गई चिट्ठी में लिखा है कि उन्हें सूचना मिली है कि उनके आठ पुलिसकर्मी भारत पहुंच गए हैं। चिट्ठी में 22 से 25 साल की उम्र

वाले चार पुलिसकर्मियों की जानकारी है जिनमें से एक महिला ऑफिसर भी है।

चिट्ठी में लिखा है, 'दोनों पड़ोसी देशों के बीच दोस्ताना रिश्ते बनाए रखने के लिए आपसे निवेदन है कि उन 8 पुलिसवालों को म्यांमार वापस भेजें जो भारतीय क्षेत्र में घुसे थे।'

सर्वाधिक मरीज-मौतें महाराष्ट्र में, टीके में राजस्थान आगे, टीके लगाने में उत्तर प्रदेश दूसरे; महाराष्ट्र तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ लड़ाई में उम्मीदों के टीकाकरण का रविवार (7 मार्च) को 50वां दिन है। मरीजों और मौत के मामले में सबसे बुरी स्थिति झेल रहा महाराष्ट्र टीकाकरण में 15.97 लाख डोज देकर तीसरे नंबर पर है। जबकि, मरीजों के मामले में देश में 10वें नंबर पर रहा राजस्थान टीकाकरण में नंबर वन है। सबसे ज्यादा आबादी वाला यूपी संक्रमण में छठे नंबर पर है पर टीकाकरण में दूसरे नंबर पर है।

शनिवार तक देश में टीके की 1.94 करोड़ डोज दी गई थीं। इनमें 69.15 लाख हेल्थ वर्कर और 63.55 लाख फ्रंट लाइन वर्कर्स को पहली डोज दी जा चुकी थी। वहीं, 33.56 लाख हेल्थ वर्कर्स और 1.44 लाख फ्रंट लाइन वर्कर्स दूसरी डोज भी ले चुके हैं।

पिछले कुछ दिनों से मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। शनिवार सुबह तक एक दिन में 18,327 नए मरीज सामने आए थे। इनमें 10,216 मरीज महाराष्ट्र के हैं। फिलहाल देश में जो 1.80 लाख एक्टिव मरीज हैं उनमें 74 फीसदी केवल महाराष्ट्र और केरल में हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों को

देखते हुए केंद्र सरकार महाराष्ट्र और पंजाब में स्पेशल टीम भेज रही है। इसमें डॉक्टर, स्वास्थ्य मंत्रालय के अफसर और आईसीएमआर के वैज्ञानिक शामिल होंगे।

दलाई लामा ने ली पहली डोज, कहा- यह जरूरी है

हिमाचल सरकार की मंजूरी के बाद शनिवार सुबह धर्मगुरु दलाई लामा को क्षेत्रीय चिकित्सालय धर्मशाला में टीके की पहली डोज दी गई। टीका लगवाने के बाद उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि गंभीर बीमारियों से बचने के लिए टीका लगवाने को आगे आएं।

49वें दिन 14.92 लाख लोगों को लगे टीके, अब तक 1.94 करोड़

सबसे ज्यादा मरीज वाले राज्य

राज्य	मरीज	टीकाकरण
महाराष्ट्र	21.98	15.97
केरल	10.72	9.02
कर्नाटक	9.53	9.09
आंध्र प्रदेश	8.90	7.85
तमिलनाडु	8.53	7.61

ऐसे बढ़ी टीकाकरण की रफ्तार

तारीख	एक दिन में कुल	
16 जनवरी	1.91 लाख	1.91 लाख
16 फरवरी	2.76 लाख	85.87लाख
05 मार्च	14.92 लाख	1.94 करोड़

24 घंटे में फिर सामने आए 18 हजार से ज्यादा मामले, 100 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण तेजी से पैर पसारने लगा है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा रविवार सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में 18 हजार 711 नए मामले सामने आए। वहीं इस दौरान 100 लोगों की मौत हो गई। इस दौरान 14 हजार 392 मरीज संक्रमण से ठीक हुए। वहीं सात लाख 37 हजार 830 सैंपल टेस्ट हुए। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में अब तक कुल कोरोना के एक करोड़ 12लाख 10 हजार 799 मामले समाने आ गए हैं। वहीं एक लाख 57 हजार 756 लोगों की मौत हो गई है। एक्टिव केस बढ़कर एक लाख 84 हजार 523 हो गया है। एक करोड़ आठ लाख 68 हजार 520 मरीज ठीक हो गए हैं। एक्टिव केस कुल मामलों का 1.65 फीसद है। वहीं रिकवरी रेट कुल मामलों का 96.95 फीसद है। डेथ रेट 1.41 फीसद है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के मुताबिक देशभर में कोरोना

संक्रमण का पता लगाने के लिए अब तक कुल 22 करोड़ 14 लाख 30 हजार 507 सैंपल टेस्ट हो गए हैं। वहीं अब तक कुल दो करोड़ नौ लाख 22 हजार 344 लोगों का टीकाकरण हो चुका है।

टीएमसी सांसद तपन दासगुप्ता की खुली धमकी- वोट नहीं दिया तो बिजली-पानी सब बंद कर देंगे

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 27 मार्च से शुरू होने वाले हैं और सभी पार्टियां अपने वोटों को इकट्ठा करने की दौड़ में लगी हुई हैं। लेकिन इसी बीच कुछ नेता है जो वोटों की चाहत में नैतिकता भी भूल गए हैं और वोट मांगने के लिए लोगों को धमका रहे हैं। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट मे मुताबिक बंगाल के कृषि मंत्री तपन दासगुप्ता ने राज्य विधानसभा चुनाव में वोट नहीं मिलने पर मतदाताओं को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। हुगली में एक बैठक में, तपन दासगुप्ता - सप्तग्राम विधानसभा के टीएमसी उम्मीदवार - ने मतदाताओं से कहा कि जो क्षेत्र उन्हें वोट नहीं देंगे, उन्हें बिजली और पानी नहीं मिलेगा। रैली में तपन दासगुप्ता ने कहा, जिन क्षेत्रों से मुझे वोट नहीं मिलेंगे, उन इलाकों में बिजली और पानी नहीं पहुंचेगा। यह सिंपल है। वे इसके लिए बीजेपी से कह सकते हैं। तपन दासगुप्ता 2011 में वाम मोर्चे के अपने प्रतिद्वंद्वी को हराकर हुगली में सप्तग्राम के विधायक बने। 2016 के बंगाल चुनावों में भी उन्होंने सप्तग्राम सीट जीती थी। दासगुप्ता को अब 2021 पश्चिम बंगाल चुनाव में लड़ने के लिए एक ही सीट दी गई है।

● जो लोग पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपनी सरकार के लाभों का आनंद लेने के बाद भी गद्दारी करते हैं, उन्हें 'गद्दार' के तरह काम दिए जाएंगे।

यह पहली बार नहीं है जब तृणमूल कांग्रेस के किसी उम्मीदवार ने विधानसभा चुनावों में पार्टी को वोट न देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी हो। विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में टीएमसी विधायक हमीदुल रहमान को मतदाताओं को धमकाते हुए पकड़ा गया था। दिनाजपुर में एक जनसभा में हमीदुल रहमान ने कहा, चुनाव के बाद गद्दारों से निपटा जाएगा। हमीदुल रहमान ने लोगों को यह कहते हुए टीएमसी के लिए वोट करने के लिए कहा कि जो लोग पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपनी सरकार के लाभों का आनंद लेने के बाद भी गद्दारी करते हैं, उन्हें 'गद्दार' के तरह काम दिए जाएंगे। हामिदुल रहमान ने कहा, ममता बनर्जी की योजनाओं से सभी को फायदा हुआ है। चाहे वह टीएमसी हो या सीपीएम या बीजेपी।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

अगर शादी करने का वादा शुरू से झूठा हो तो रेप माना जाएगा, वरना...

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा है कि यदि महिला से शादी करने का किया गया वादा शुरू से झूठा है तो उसे रेप माना जा सकता है, अन्यथा ये रेप नहीं होगा। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी करते हुए रेप के एक अरोपी के खिलाफ दाखिल चार्जशीट निरस्त करने का आदेश दिया है। यह मामला उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले का है।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और एमआर शाह की पीठ ने यह आदेश आरोपी सोनू की विशेष अनुमति याचिका पर दिया। सोनू ने याचिका में एफआईआर और चार्जशीट निरस्त करने का आग्रह किया था। कोर्ट ने आदेश में कहा कि एफआईआर और चार्जशीट को पढ़ने भर से तथा साथ में पीड़ित के बयान से साफ है कि जब दोनों के बीच संबंध बना तब उसकी ओर से शादी करने का कोई इरादा नहीं था। न ही यह कहा जा सकता है कि शादी करने का वादा झूठा था।

पीठ ने फैसले में कहा कि अभियुक्त और पीड़ित के बीच रिश्ता आपसी सहमति का था। वहीं दोनों इस रिश्ते में करीब डेढ़ वर्ष से थे। बाद में जब अभियुक्त ने शादी करने से मना किया तो उसके आधार पर एफआईआर दर्ज करवाई गई। इस मामले में एफआईआर साफ कह रही है कि अभियुक्त और शिकायतकर्ता

के बीच संबंध एक साल से ज्यादा समय से थे। उसका अरोप था कि शादी के लिए अभियुक्त के परिजन राजी थे लेकिन अब शादी के लिए मना कर रहे हैं। इससे लगता है कि उसकी एकमात्र शिकायत सोनू का उससे विवाह नहीं करना है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में शादी करने से मनाही बाद में की गई है जिसके आधार पर एफआईआर हुई है। हमें लगता है कि इस मामले में रेप का कोई आरोप नहीं बनता है। क्योंकि यह सामने नहीं आया है कि शादी का झूठा वादा करके सबंध बनाए गए।

दो बातें सिद्ध करनी होंगी

पीठ ने कहा कि पीबी पवार बनाम महाराष्ट्र केस में हम तय कर चुके हैं कि धारा 375 के तहत महिला की सहमति कब और कैसे होगी। यह स्थापित करने के लिए दो बाते सिद्ध करनी होंगी-

1. शादी का वादा झूठा होना चाहिए, बुरे इरादे से दिया गया हो और अभियुक्त का वादा करने के समय ही उसका उसे पूरा करने का कोई इरादा न हो।

2. ये झूठा वादा बहुत नया हो और तुरंत किया गया हो या इस वादे का महिला पर उससे संबंध बनाने के बारे में फैसला लेने से सीधा संबंध हो।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

भोजन का अपमान

यह सूचना किसी दुख से कम नहीं कि हमारी दुनिया में 17 प्रतिशत भोजन घरों, रेस्तरां और दुकानों में बर्बाद चला जाता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की फूड वेस्ट इंडेक्स रिपोर्ट 2021 से पता चलता है कि कुछ भोजन खेतों पर ही, तो कुछ आपूर्ति के दौरान और एक बड़ा हिस्सा तैयार होने के बाद बर्बाद हो जाता है। कुल मिलाकर, एक तिहाई भोजन खाए जाने से रह जाता है। भोजन बर्बादी के ये आंकड़े बहुत मेहनत से जुटाए गए हैं, जिनका विश्लेषण हमें चौंकाता है और रुलाता भी है। संयुक्त राष्ट्र की एक कार्यकारी निदेशक इंगर एंडरसन कहती हैं कि 'अगर हम जलवायु परिवर्तन, प्रकृति, जैव विविधता के नुकसान और प्रदूषण, कचरे से निपटने के बारे में गंभीर होना चाहते हैं, तो दुनिया भर के व्यवसायों, सरकारों और नागरिकों को भोजन की बर्बादी को कम करने के लिए काम करना पड़ेगा।' अन्न-भोजन की बर्बादी ज्यादातर देशों में समस्याओं को जन्म दे रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी देशों में इस बर्बादी का स्तर आश्चर्यजनक रूप से समान है। न विकसित देशों के लोग आदर्श हैं और न गरीब देशों के लोग। भोजन की बर्बादी कोई ऐसा विषय नहीं है, जिसके बारे में किसी देश में लोग जानते न हों। परंपरागत रूप से दुनिया की ज्यादातर संस्कृतियों और समाजों में भोजन की बर्बादी रोकने के लिए लोगों को पाबंद किया गया है, लेकिन तब भी लोग सुधर नहीं रहे, कम से कम यह रिपोर्ट तो यही गवाही दे रही है। रिपोर्ट के विस्तार में जाएं, तो खुदरा दुकानों पर दो प्रतिशत, खाद्य सेवाओं के स्तर पर पांच प्रतिशत और रसोईघर में पहुंचने के बाद 11 प्रतिशत भोजन बेकार जाता है। मतलब सबसे ज्यादा सुधार की जरूरत हमारे रसोईघरों और थालियों में है। रिपोर्ट यह भी इशारा करती है कि भोजन की ऐसी बर्बादी से जलवायु परिवर्तन को भी बल मिलता है। वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का आठ से दस प्रतिशत भोजन की बर्बादी से जुड़ा है। बेशक, भोजन की बर्बादी कम करने से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती होगी। भूमि रूपांतरण और प्रदूषण के माध्यम से होने वाला प्रकृति का विनाश धीमा होगा। भोजन की उपलब्धता बढ़ेगी और इस तरह वैश्विक मंदी के समय भूख की समस्या घटेगी, साथ ही, पैसों की भी बचत होगी। दुनिया का सचेत होना इसलिए बहुत जरूरी है,क्योंकि 2019 में करीब 69 करोड़ लोग भूख से प्रभावित थे और तीन अरब लोग स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में अक्षम थे। यह स्वागतयोग्य है कि संयुक्त राष्ट्र के एक लक्ष्य में भोजन की बर्बादी को आधा करना भी शामिल है। इस मोर्चे पर भारत जैसे विशाल देश में तो विशेष पहल की जरूरत है। आम भारतीय घरों में एक-एक सदस्य साल भर में 50 किलो खाना बर्बाद कर देता है, जबकि भारत में एक बड़ी आबादी भूखे रहने को मजबूर है। यह देखना ज्यादा जरूरी है कि बर्बादी रोकने के लिए क्या और कितना किया जा रहा है? सामाजिक स्तर पर अपील के अलावा भोजन की बर्बादी रोकने के लिए कोई पुख्ता प्रबंध नहीं है। हां, भारत यह संतोष व्यक्त कर सकता है कि भोजन बर्बाद करने में अफगानिस्तान, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, मालदीव और बांग्लादेश की तुलना में वह बेहतर है। लेकिन जिस देश में अन्न-भोजन की पूजा होती हो, उसे देश में यथोचित सुधार के लिए नए संकल्प की जरूरत पड़ेगी।

आज के ट्वीट

टीका

आज सरकारी अस्पतालों में कोरोना का फ्री टीका लगाया जा रहा है। प्राइवेट अस्पतालों में दुनिया में सबसे सस्ता यानि सिर्फ 250 रुपए का टीका लगाया जा रहा है:

-- पीएम

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का इतिहास और महत्व

(लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च को मनाया जाता है। यह विशेष दिन अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रही महिलाओं का सम्मान करने और उनकी उपलब्धियों का उत्सव मनाने का दिन है। सबसे पहले ये दिन अमेरिका में सोशलिस्ट पार्टी के आह्वान पर 28 फ़रवरी 1909 को मनाया गया था। बाद में इसे फरवरी के आखिरी रविवार को मनाया जाने लगा। शायद आपको जान कर आश्चर्य हो कि पहले अधिकतर देशों में महिलाओं को वोट देने का अधिकार नहीं था। उन्हें ये अधिकार दिलाने के उद्देश्य से 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल के कोपेनहेगन सम्मेलन में महिला दिवस को अन्तर्राष्ट्रीय दर्जा दिया गया। इस दिवस की महत्ता तब और भी बढ़ गयी जब 1917 में फरवरी के आखिरी रविवार को रूस में महिलाओं ने **bead and peace** के लिए एक आन्दोलन छेड़ दिया जो जो धीरे-धीरे बढ़ता गया और ज़ार को रूस की सत्ता छोड़नी पड़ी। इसके बाद जो अंतरिम सरकार बनी उसने महिलाओं को वोट देने का अधिकार दे दिया। रुस में जब ये आन्दोलन शुरू हुआ था तब वहां जुलियन कैलेण्डर चलता था (अब ग्रेगेरियन कैलेण्डर प्रयोग होता है) जिसके मुताबिक़ फरवरी का आखिरी रविवार को 23 तारीख थी जबकि बाकी दुनिया में उस समय भी ग्रेगेरियन कैलेंडर चलता था और उसके मुताबिक़ रूस की तेईस फरवरी बाकी दुनिया की आठ मार्च थी इसीलिए 8 मार्च को इंटरनेशनल विमेंस डे के रूप में मनाया जाने लगा। मित्रों नारियों में अपरिमित शक्ति और क्षमताएँ विद्यमान हैं। व्यवाहरिक जगत के सभी क्षेत्रों में उन्होने कीर्तिमान स्थापित किये हैं। अपने अदभुत साहस, अथक परिश्रम तथा दूरदर्शी बुद्धिमत्ता के आधार पर विश्वपटल पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहीं हैं। मानवीय संवेदना, करुणा, वात्सल्य जैसे भावो से परिपूर्ण अनेक नारियों ने युग निर्माण में अपना योगदान दिया है। ऐसी ही महान नारियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त परिचय देने का प्रयास कर रहे हैं। एक ऐसा क्षेत्र, जहां महिलाएं सशक्तिकरण की राह पर हैं और अपने पक्ष की मजबूत दावेदारी दिखा रही हैं। यह क्षेत्र है देश की सुरक्षा। देश की सुरक्षा सबसे अहम होती है, तो इस क्षेत्र में आखिर महिलाओं की भागीदारी को कम क्यूं आंका जाए। देश की मिसाइल सुरक्षा की कड़ी में 5000 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली अग्नि-5 मिसाइल की जिस महिला ने सफल परीक्षण कर पूरे विश्व मानचित्र पर भारत का नाम रौशन किया है, वह शख्सियत हैं टेसी थॉमस। डॉ. टेसी थॉमस को कुछ लोग 'मिसाइल वूमन' कहते हैं, तो कई उन्हें 'अग्नि-पुत्री' का खिताब देते हैं। पिछले 20 सालों से टेसी थॉमस इस क्षेत्र में मजबूती से जुड़ी हुई हैं। टेसी थॉमस पहली भारतीय महिला हैं, जो देश की मिसाइल प्रोजेक्ट को संभाल रही हैं। टेसी थॉमस ने इस कामयाबी को यूं ही नहीं हासिल किया, बल्कि इसके लिए उन्होंने जीवन में कई उतार-चढ़ाव का सामना भी करना पड़ा। आमतौर पर रणनीतिक हथियारों और परमाणु क्षमता वाले मिसाइल के क्षेत्र में पुरुषों का वर्चस्व रहा है। इस धारणा को तोड़कर डॉ. टेसी थॉमस ने सच कर दिखाया कि कुछ उड़ान हौसले के पंखों से भी उड़ी जाती।

डॉ. किरण बेदी भारतीय पुलिस सेसेवा की प्रथम वरिष्ठ महिला अधिकारी हैं। उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए अपनी कार्य-कुशलता का परिचय दिया है। वे संयुक्त आयुक्त पुलिस प्रशिक्षण तथा दिल्ली पुलिस स्पेशल आयुक्त (खुफिया) के पद पर कार्य कर चुकी हैं। 'द ट्रिब्यून' के पाठकों ने उन्हें 'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला' चुना। उनके मानवीय एवं निडर दृष्टिकोण ने पुलिस कार्यप्रणाली एवं जेल सुधारों के लिए अनेक आधुनिक आयाम जुटाने में महत्वपूर्ण योगदान किया है।वर्तमान में वे पांडुचेरी की उपराज्यपाल पद पर आसीन हैं . निःस्वार्थ कर्तव्यपरायणता के लिए उन्हें शौर्य पुरस्कार मिलने के अलावा उनके अनेक कार्यों को सारी दुनिया में मान्यता मिली है, जिसके परिणामस्वरूप एशिया का नोबल पुरस्कार कहा जाने वाला रमन मैगसेसे पुरस्कार से उन्हें नवाजा गया। व्यावसायिक योगदान के अलावा उनके द्वारा दो स्वयं सेवी संस्थाओं की स्थापना तथा पर्यवेक्षण किया जा रहा है। ये संस्थाएं हैं- 1988 में स्थापित नव ज्योति एवं 1994 में स्थापित इंडिया विजन फाउंडेशन। ये संस्थाएं रोजना हजारों गरीब बेसहारा बच्चों तक पहुँचकर उन्हें प्राथमिक शिक्षा तथा स्त्रियों को प्रौढ़ शिक्षा उपलब्ध कराती है। 'नव ज्योति संस्था' नशामुक्ति के लिए इलाज करने के साथ-साथ झुग्गी बस्तियों, ग्रामीण क्षेत्रों में तथा जेल के अंदर महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण और परामर्श भी उपलब्ध कराती है। डॉ. बेदी तथा उनकी संस्थाओं को आज अंतर्राष्ट्रीय पहचान प्राप्त है। नशे की रोकथाम के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा किया गया 'सर्ज साटिरोफ मेमोरियल अवार्ड' इसका ताजा प्रमाण है। भारतीय ट्रैक ऍण्ड फ़ील्ड की रानी' माने जानी वाली पी॰ टी॰ उषा भारतीय खेलकूद में 1979 से हैं। वे भारत के अब तक के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से हैं। उन्हें 'पय्योली एक्स्प्रेस' नामक उपनाम दिया गया था। 1983 में सियोल में हुए दसवें एशियाई खेलों में दौड़ कूद में, पी॰ टी॰ उषा ने 4 स्वर्ण व 1 रजत पदक जीते। वे जितनी भी दौड़ों में हिस्सा लीं, सबमें नए एशियाई खेल कीर्तिमान स्थापित किए। 1985 में जकार्ता में हुई एशियाई दौड-कूद प्रतियोगिता में उन्होंने पाँच स्वर्ण पदक जीते। एक ही अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छः स्वर्ण जीतना भी एक कीर्तिमान है। ऊषा ने अब तक 101 अतर्राष्ट्रीय पदक जीते हैं। वे दक्षिण रेलवे में अधिकारी पद पर कार्यरत हैं। 1985 में उन्हें पद्म श्री व अर्जुन पुरस्कार दिया गया। एक भारतीय महिला मुक्केबाज हैं, मैरी कॉम पांच बार विश्व मुक्केबाजी प्रतियोगिता की विजेता रह चुकी हैं। दो वर्ष के अध्ययन प्रोत्साहन अवकाश के बाद उन्होंने वापसी करके लगातार चौथी बार विश्व गैर-व्यावसायिक बॉक्सिंग में स्वर्ण जीता। उनकी इस उपलब्धि से प्रभावित होकर एआइबीए ने उन्हें मॅग्नीफ़िसेन्ट मैरी (प्रतापी मैरी) का संबोधन दिया। वह 2012 के लंदन ओलम्पिक मे महिला मुक्केबाजी मे भारत की तरफ से जाने वाली एकमात्र महिला थीं। मैरी कॉम ने सन् 2001 में प्रथम बार नेशनल वुमन्स बॉक्सिंग चैंपियनशिप जीती। अब तक वह छह राष्ट्रीय खिताब जीत चुकी है। बॉक्सिंग में देश का नाम रौशन करने के लिए भारत सरकार ने वर्ष 2003 में उन्हे अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया एवं वर्ष 2006 में उन्हे पद्मश्री से सम्मानित किया गया। जुलाई 29, 2009 को वे भारत के सर्वोच्च खेल सम्मान राजीव गाँधी खेल रत्न पुरस्कार के लिए (मुक्केबाज विजेंदर कुमार तथा पहलवान सुशील कुमार के साथ) चुनीं गयीं। सायना नेहवाल, सानिया मिर्जा जैसी कई महिलाएं खेल जगत की गौरवपूर्ण पहचान हैं। 1984- बछेन्द्री पाल दुनिया की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट को फतह करने वाली पहली भारतीय महिला हैं। मेरी क्युरी विख्यात भौतिकविद और रसायनशास्त्री थी। मेरी ने रेडियम की खोज की थी। विज्ञान की दो शाखाओं (भौतिकी एवं रसायन विज्ञान) में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने वाली वह पहली वैज्ञानिक हैं। वैज्ञानिक मां की दोनों बेटियों ने भी नोबल पुरस्कार प्राप्त किया। बडी बेटी आइरीन को 1935 में रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ तो छोटी बेटी ईव को 1965 में शांति के लिए नोबेल पुरस्कार मिला। ब्रिटिश संसद में महिलाओं को भाग लेने का अधिकार नही था। 1911 में महिलाओं के अधिकार के लिये लडने वाली वीर नारी नेन्सी एस्टर, ब्रिटिश संसद की पहली महिला सासंद बनी। विश्व के राजनीतिक पटल पर आज अनेक देशों के सर्वोच्च पद पर महिलाओं का वर्चस्व है। श्रीलंका की प्रधानमंत्री श्रीमावो भंडार नायके विश्व की प्रथम महिला राष्ट्रपति निर्वाचित हुई। विश्वराजनीति के पटल पर पहली महिला राष्ट्रपति का गौरव फिलीपीन्स की मारिया कोराजोन एक्यीनो को जाता है। रजीया सुल्तान हो या बेनीजीर भुट्टो या बेगम खालिदा जिया जैसी कई साहसी मुस्लिम महिलाओं ने भी राजनीति में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। भारत जैसे शक्तिशाली देश की कमान इंदिरा गाँधी, प्रतिभा सिंह पाटिल द्वारा संचालित की जा चुकी है। लोकसभा अध्यक्षा मीरा कुमार एवं अनेक राज्यों की महिला मुख्यमंत्री आज भी अपने कार्य को सफलता पूर्वक अंजाम दे रहीं हैं। अभी हाल ही में एशिया की चौथी सबसे बडी अर्थव्यस्था की नेता पार्क ग्यून हेई ने दक्षिण कोरिया की पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेकर नारी वर्ग के गौरव को और आगे बढाया है. साहित्य जगत में भी महिलाओं का अभूतपूर्व योगदान रहा है। हिंदी साहित्य में ऐसी गंभीर लेखिकाओं की कमी नही है जिन्होने अपनी संवेदनाओं को अभिव्यक्त करके विस्तृत साहित्य का सृजन किया है।

महादेवी वर्मा, सुभद्रा कुमारी चौहान, महाश्वेता देवी, आशापूर्णा देवी, मैत्रिय पुष्पा जैसी अनेक महिलाओं ने असमान्य परिस्थितियों में भी साहित्य जगत को उत्कृष्ट रचनाओं से शुशोभित किया है। 18 फरवरी, 1931 को अमेरिका में जन्मी टोनी मोरीसन का नाम विश्व साहित्य में काफी जाना-माना नाम है। नोबेल सम्मान से सम्मानित टोनी ने साहित्य के जरिये अफ्रीकी अमेरिकी अश्वेत औरतों को खास पहचान दिलाने का काम किया है।

ज्ञान गंगा

स्वभाव और संस्कार

श्रीराम शर्मा आचार्य

जैसा मनुष्य का स्वभाव होता है उसी के अनुरूप उसकी मनोदशा बनती रहती है और जब वही आदत अपने जीवन का अंग बन जाती है तो उसे संस्कार मान लेते हैं। शराब पीना प्रारम्भ में एक छोटी सी आदत दिखती है किन्तु जब वही आदत गहराई तक जक जाती है, तो शराब के सम्बन्ध में अनेकों प्रकार की विचार रेखायें मस्तिष्क में बनती चली जाती हैं, जो एक स्थिति समाप्त हो जाने पर भी प्रेरणा के रूप में मस्तिष्क में उठा करती हैं। जैसे कोई कामुक प्रवृत्ति का मनुष्य स्वास्थ्य सुधार या किसी अन्य कारण से प्रभावित होकर ब्रह्मचर्य रहना चाहता है। इसके लिए वह तरह-तरह की योजनाएं और कार्यक्रम भी बनाता है तो भी उसके पूर्व जीवन के कामुक विचार उठने से रुकते नहीं और वह न चाहते हुए भी उस प्रकार के विचारों और प्रभाव से टकराता रहता है। यह संस्कार जैसे भी बन जाते है वैसा ही मनुष्य का व्यवहार होगा। यहां यह न समझना चाहिए कि यदि पुराने संस्कार बुरे पड़ गये हैं, विचारों में केवल हीनता भरी है, तो मनुष्य सद्व्यवहार नहीं कर सकता। यदि पूर्व जीवन के कुसंस्कार जीवन सुधार में किसी प्रकार का रोड़ा अटकाते है तो भी हार नहीं माननी है। चूंकि अब तक अच्छे कर्म नहीं किए थे इसलिये यह पुराने कुविचार परेशान करते हैं किन्तु यदि अब विचार और व्यवहार में अच्छाइयों का समावेश करते हैं तो यही एक दिन हमारे लिए शुभ संस्कार बन जाएगा। तब यदि कुकर्मो की ओर बढ़ना चाहेंगे तो एक जबर्दस्त प्रेरणा अन्त:करण में उठेगी और हमें बुरे रास्ते में भटकने से बचा लेगी। महर्षि वाल्मीकि, सन्त तुलसीदास, भिक्षु अंगुलिमाल, गणिका, अजामिल आदि अनेकों कुसंस्कारों में ग्रसित व्यक्ति भी जब सन्मार्ग पर चलने लगे तो उनका जीवन पुण्यमय, प्रकाशमय बन गया। मनुष्य संस्कारों का गुलाम हो जाए, अपने स्वभाव में परिवर्तन न कर सके, यह असम्भव नहीं है, यह आसान भी है और कई लोगों ने ऐसा किया भी है।

मनुष्य के विचार गीली मिट्टी और संस्कार उस मिट्टी से बने बर्तन के समान होते हैं। पिछले कुसंस्कारों का बड़ा तोड़कर नये विचारों की मिट्टी से नव-जीवन घट का निर्माण कर सकते हैं। इसमें राई-रत्ती भर भी सन्देह न करना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

आधी आबादी की खातिर जानकर भी हैं क्यों अनजान!!

(लेखक-ऋतुपर्ण दवे)

महिलाओं की स्वतंत्रता और उनके अधिकारों को लेकर यूँ तो शायद ही कोई दिन जाता हो जब विश्व पटल पर कहीं न कहीं गंभीर चर्चा न होती हो, लेकिन नतीजे वैसे क्यूँ नहीं दिखते? यह भी सच है कि आधी आबादी की पूरी आजादी को लेकर दुनिया भर में काफी कुछ लिखा, कहा, समझा और समझाया जा रहा है परन्तु कथनी और करनी में तब भी कोई खास अन्तर क्यूँ नहीं दिखता है? बेशक महिलाओं ने काफी तरक्की की है, हर क्षेत्र में वो आगे बढ़ गई हैं। अंतरिक्ष से लेकर पहाड़ और खेलों से लेकर प्रशासन व राजनीति में दबदबा भी बढ़ा है लेकिन क्या यह काफी है? उससे भी बड़ा सवाल यह कि अपने दमखम पर तमाम क्षेत्रों में आगे बढ़ी महिलाओं को छोड़ दें तो आबादी के लिहाज से उसी अनुपात में यह आम या पुरुषों के बराबर क्यूँ नहीं है? इसका जवाब शायद जल्द मिलेगा भी नहीं और पूछें तो किससे? क्या उसी महिला से जिसकी कोख मानव अस्तित्व यानी स्त्री-पुरुष की जननी है और जन्म देने के बाद ही दोनों की हैसियत समाज में अलग-अलग हो जाती है? ऐसे सवाल अमूमन पूरी दुनिया में मुंह बाएं खड़े हैं चाहे वह पाश्चात्य देश हों या दुनिया का तथाकथित अभिजात्य वर्ग या फिर गरीब मुल्क। हाँ दुनिया के पिछड़े और तरक्कीशुदा देशों में महिला समानता का सच अक्सर न केवल चिढ़ाता है बल्कि तरक्की के तमाम वादों के बाद विकृतियों के आईने पर हकीकत को भी दिखाता है। इसके बावजूद महिलाएं तमाम तरह के सच व पूर्वाग्रहों के बीच भी अपनी हस्ती को बढ़ा रही हैं जो आधी आबादी की जिद या जिजीविषा (जीने की चाह) को दिखाता है। इसके पीछे बहुत बड़ा दर्शन है, बहुत बड़ा सच है जिसका कुछ शब्दों में अर्थ यह कि महिला परिवार, समाज व देश को बाँधकर रखती है और यही जानबूझकर भी न समझ पाना बेहद दुखद है। आज लिखते समय अहमदाबाद की आयशा का बनाया वीडियो बार-बार सामने कौंध रहा था। उसके आखिरी में कहे एक-एक शब्द सवालों की बौछार कर रहे हैं। आयशा के सच ने न केवल उसके दर्द को उजागर किया बल्कि मरने के बाद भी इतना कुछ छोड़ दिया जिस पर काफी समय तक कहा, सुना और लिखा जा सकता है। आयशा के आखिरी शब्द जैसे दिमाग के कम्प्यूटर की सी ड्राइव में जा समाए हैं और गूँजते रहते हैं- अगर वह मुझसे आज़ादी चाहता है तो उसे आजादी मिलनी चाहिए। मेरी जिंदगी यहीं तक है। मैं खुश हूं कि मैं अल्लाह से मिलूंगी। मैं उनसे पूछूंगी कि मैं कहां गलत थी? मुझे अच्छे मां-बाप मिले। अच्छे दोस्त मिले। हो सकता है कि मेरे साथ या मेरी नियति में कुछ गलत रहा हो। मैं खुश हूं। मैं संतुष्टि के साथ गुडबॉय कह रही हूं। मैं अल्लाह से दुआ करूंगी कि मुझे फिर कभी इंसानों की शक्ल नहीं देखनी पड़े। सच तो यह है कि ये शब्द नहीं बल्कि अब भी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के जरूरत की प्रासंगिकता पर मुहर है। शायद आयशा का सच भले ही उस पर हो रहे जुल्मों की इन्तेहा हो लेकिन तरक्की करती दुनिया की बड़ी और खरी हकीकत भी है। बस इसी हकीकत को समझने और सुलझाने का मकसद ही महिला दिवस है। इसे न केवल 8 मार्च के दिन का एक आयोजन समझ खानापूर्ति की जाए बल्कि हर दिन इस पर कार्य हो और इसे पूरा करने का मिशन अनवरत जारी रहे। तब महिलाओं को लेकर समानता की बात अच्छी लगेगी वरना बेमानी। बस यही हर साल 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के पीछे का सच कहें या उद्देश्य है ताकि महिलाओं और पुरुषों में समानता बनाने के लिए जागरूकता लाई जाए। यह भी बड़ा सच है कि भारत समेत अनेकों देश में आज भी महिलाएँ अपने अधिकारों को लेकर जागरूक नहीं है जबकि कागजों में यह बेहद सुन्दर तरीके से लिखे हैं। इन अधिकारों का अहसास कराने और इन्हें पाने का संघर्ष और मुहिम ही अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का मकसद है। किसे नहीं पता कि लिंगभेद का शिकार सबसे ज्यादा आज भी महिलाएं ही हैं। लड़कियों को इस दौर में भी पढ़ाई से दूर रखा जाता है। स्कूल भेजने की सोचना तो दूर की बात। वहीं जो महिलाएँ घर, परिवार के प्रोत्साहन और अपने संघर्ष से किसी कदर आगे तक निकल जाती हैं तो उनकी कभी पदोन्नति में बाधा तो कभी कार्य स्थल पर शोषण के इतने उदाहरण सुनने में मिलते हैं जिसकी गिनती करते-करते थक जाएँगे। इसके अलावा भारत में ही कुपोषण को लेकर महिलाओं का आँकड़ा न केवल डराता है बल्कि हैरान करता है। मातृत्व बोझ से लदी कुपोषित महिलाएँ हाड़ तोड़ मेहनत कर बच्चे और परिवार का बोझ ढ़ोने को किस तरह मजबूर हैं। पिछड़े देशों की तस्वीरें तो और भी भयावह है। आर्यों के प्रारम्भिक समाज में नारी को जितनी स्वतन्त्रता और खुलापान हासिल था, उतना बाद के किसी काल में नहीं रहा। वैदिक काल मे बहुत सी विदुषी स्त्रियां हुई है जैसे अपाला, घोषा, विश्ववारा, सरस्वती, लोपामुद्रा आदि।

इन्होंने कई सूक्तों की रचना ऋग्वेद में की है। तब सामाजिक और धार्मिक उत्सवों में स्त्रियाँ बिना किसी प्रतिबन्ध के हिस्सा लेती थी। उस काल की नारी पुरुषों के साथ यज्ञ, सभा, समिति एवं गोष्ठी में सम्मिलित होती थी। ऋग्वैदिक काल में नारी हर तरह से पुरुषों के समकक्ष थीं। इसी तरह मनु स्मृति में भी श्लोक 3/56 में 卐यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफला: क्रिया।।卐 अर्थात जहाँ स्त्रियों की पूजा होती है वहाँ देवता निवास करते हैं और जहाँ स्त्रियों की पूजा नही होती, उनका सम्मान नहीं होता है वहाँ किये गये समस्त अच्छे कर्म निष्फल हो जाते हैं। जबकि श्लोक 3/57 में लिखा है卐शोचन्ति जामयो यत्र विनश्यत्याशु तत्कुलम्। न शोचन्ति तु यत्रैता वर्धते तद्धि सर्वदा।। यानी जिस कुल, पारिवार में स्त्रियां दुर्व्यवहार के कारण दुखी रहती हैं उस कुल का शीघ्र ही विनाश हो जाता है, उसकी अवनति होने लगती है। इसके विपरीत जहां ऐसा नहीं होता है और स्त्रियां प्रसन्नचित्त रहती हैं, वह कुल प्रगति करता है। यह भारतीय दर्शन ही है जहाँ महिला सम्मान सबसे अहम है लेकिन आज भी वास्तविकता कुछ और है जो सबके सामने है। महिला दिवस की की शुरुआत भले ही 113 वर्ष पूर्व 1908 में एक आन्दोलन के दौरान हुई हो लेकिन इसकी जरूरत आज भी वैसी की वैसी है। तब अमेरिका में न्यूयार्क की सड़कों पर कामकाजी महिलाओं का बड़ा आंदोलन हुआ था जिसमें करीब 15 हजार महिला शामिल हुईं और काम के समय को कम करने, उचित वेतन और मतदान के अधिकार की माँग की गई।

इसे जर्मनी की राजनीतिज्ञ क्लारा जेटकिन ने सम्हाला और बढ़ाया और महिला दिवस बनाने का रूप दिया। जेटकिन 1910 में डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगेन में कामकाजी महिलाओं की अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में शामिल हुईं थी जिसमें 17 देशों की 100 महिलाएँ आईं थी और यहीं पर पहली बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का प्रस्ताव भी रखा गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को ही मनाए जाने के पीछे रोचक प्रसंग है। हालांकि क्लारा जेटकिन ने शुरुआत करते हए कोई तारीख तय नहीं की थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आयकर विभाग का 27 जगहों पर छापा, 1000 करोड़ की अघोषित संपत्ति का खुलासा

बिजनेस डेस्क: आयकर विभाग ने एक प्रमुख सर्राफा व्यवसायी और आभूषणों का कारोबार करने वाले दक्षिण भारत के 'सबसे बड़े' कारोबारी के परिसरों में छापेमारी की है। इस दौरान एक हजार करोड़ रुपए की अघोषित आय का पता चला है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने रविवार को जानकारी दी। बोर्ड ने हालांकि इस बात का खुलासा नहीं किया है कि किन-किन कारोबारियों के परिसरों में छापेमारी हुई है। आयकर विभाग की यह छापेमारी चेन्नई, मुंबई, कोयंबटूर, मदुरै, तिरूचिरापल्ली, त्रिसूर, नेल्लोर, जयपुर एवं इंदौर के 27 परिसरों में 4 मार्च को हुई। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने दावा किया कि छापेमारी के दौरान 1.2 करोड़ रुपए की अघोषित नकदी भी जब्त की गई। सीबीडीटी ने एक बयान जारी कर दावा किया कि सर्राफा व्यवसायी के परिसर से प्राप्त साक्ष्यों से इस बात का खुलासा हुआ है कि नकद बिक्री, फर्जी नकदी क्रेडिट, खरीद के लिए ऋण की आड़ में 'डमी' खातों में नकदी जमा किए गए थे।'

बिना हिसाब किताब की सोने की खरीद

बयान में कहा गया है कि इसके अलावा नोटबंदी की अवधि के दौरान नकद जमा कराए जाने के संबंध में भी जानकारी मिली है। आभूषण विक्रेता के मामले में यह पाया गया कि करदाता ने स्थानीय फाइनेंसर्स से नकद ऋण लिया और उन्हें चुकाया, बिल्डरों को नकद ऋण दिया और अचल संपत्ति में नकद निवेश किया। बोर्ड ने यह भी दावा किया कि संबंधित कारोबारी ने बिना हिसाब-किताब के सोने की खरीद की थी। सीबीडीटी ने कहा है कि छापेमारी में अब तक एक हजार करोड़ रुपए से अधिक की अघोषित आय का पता चला है। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु में छह अप्रैल को एक चरण में 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान होना है।

वैश्विक रुख, कच्चे तेल के दाम तय करेंगे भारतीय बाजार की दिशा

नयी दिल्ली, शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह दीर्घावधि में अमेरिकी बांड पर प्राप्ति, कच्चे तेल की कीमतों तथा वृहद आर्थिक आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) और घरेलू निवेशकों के रुख, डॉलर के मुकाबले रुपये के उतार-चढ़ाव और कोरोना वायरस से जुड़े घटनाक्रम भी बाजार को दिशा देंगे। सिक्योरिटीज के बुनियादी शोध प्रमुख रुस्मिक ओझा ने कहा, ''अमेरिका में 10 साल की सरकारी प्रतिभूतियों पर प्राप्तियां 1.5 प्रतिशत को पार कर गई हैं, जो काफी हद तक वैश्विक बाजारों की दृष्टि से नकारात्मक है। डॉलर सूचकांक भी 90 से 92 के स्तर पर पहुंच गया है, जो उभरते बाजारों की मुद्राओं तथा शेयर बाजारों की दृष्टि से नकारात्मक है।'' ओझा ने कहा, ''घरेलू मोर्चे पर किसी तरह के संकेतकों के अभाव में भारतीय बाजार वैश्विक घटनाक्रमों तथा अमेरिकी बाजार से दिशा लेंगे।'' बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स पांच मार्च को 440 अंक टूट गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 15,000 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गया। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमख विनोद नायर ने कहा, ''आगामी सप्ताह बाजार की निगाहें इस बात पर रहेंगी कि क्या फेडरल रिजर्व अगली बैठक में बांड पर प्राप्ति बढ़ने के बीच अपने नरम रुख को जारी रखता है। इसके अलावा अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दरों को निचले स्तर पर कायम रखने और तरलता को बेहतर करने से बाजार की धारणा को बल मिल सकता है।'' बीते सप्ताह सेंसेक्स 1,305.33 अंक या 2.65 प्रतिशत के लाभ में रहा। कोटक सिक्योरिटीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष इक्विटी तकनीकी शोध श्रीकान्त चौहान ने कहा, ''बीते सप्ताह बाजार में लाभ रहा। इसके बावजूद बाजार का 'मूड' सुस्त था। बांड पर प्राप्ति बढ़ने तथा डॉलर सूचकांक के ऊपर की ओर से जाने से वैश्विक स्तर पर बाजार में कमजोरी का रुख बना है।'' विश्लेषकों का कहना है कि इसके अलावा निवेशकों की निगाह घरेलू संकेतकों मसलन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति, थोक मुद्रास्फीति तथा औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) पर रहेगी। ब्रेंट कच्चे तेल के दामों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी भारतीय बाजारों की दृष्टि से एक ओर जोखिम है।

अपनी पुरानी कार को कबाड़ करें, नयी खरीद पर करीब पांच प्रतिशत की छूट पायें: गडकरी

नयी दिल्ली,

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पुराने वाहनों को कबाड़ करने में रूचि रखने वाले ग्राहकों के लिये एक खुशखबरी है। अब वे ऐसा करने पर नयी वाहनों की खरीद पर करीब पांच प्रतिशत तक की छूट पा सकते हैं। गडकरी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''पुराने वाहनों को कबाड़ करने के एवज में वाहन कंपनियां ग्राहकों को नये वाहन की खरीद पर करीब पांच प्रतिशत की छूट देंगी।'' वाहनों को स्वेच्छा से कबाड़ करने की नीति की घोषणा 2021-22 के केंद्रीय बजट में की गयी है। गडकरी ने कहा, ''इस नीति के चार प्रमुख घटक हैं। छूट के अलावा, प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर ग्रीन टैक्स और अन्य शुल्क के प्रावधान हैं। उन्हें स्वचालित सुविधाओं में अनिवार्य फिटनेस और प्रदूषण परीक्षणों से गुजरना होगा। इसके लिये देश में स्वचालित फिटनेस सेंटर की आवश्यकता होगी और हम इस दिशा में काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि स्वचालित फिटनेस परीक्षण सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के तहत किये जायेंगे, जबकि सरकार निजी भागीदारों और राज्य सरकारों को वाहनों को कबाड़ करने वाले संयंत्र लगाने में सहायता करेगी। मंत्री ने कहा कि जो वाहन स्वचालित परीक्षण पास नहीं कर

पायेंगे, उन्हें चलाने पर दंड लगेगा। उन्होंने कहा कि यह नीति वाहन क्षेत्र के लिये एक वरदान साबित होने जा रही है। यह वाहन उद्योग को सबसे अधिक लाभकारी क्षेत्रों में से एक बना रही है, जिससे बहुत से रोजगार पैदा होंगे।

भारतीय कंपनियों का विदेशी बाजार में निवेश फरवरी में 31 प्रतिशत घटकर 1.85 अरब डॉलर पर

मुंबई, भारतीय कंपनियों का विदेशी बाजारों में निवेश फरवरी में 31 प्रतिशत घटकर 1.85 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू कंपनियों ने फरवरी में अपनी विदेशी अनुषंगियों और संयुक्त उपक्रमों में 2.66 अरब डॉलर का निवेश किया था। रिजर्व बैंक के अनुसार, भारतीय कंपनियों के विदेशी बाजारों में कुल निवेश में 1.36 अरब डॉलर ऋण के रूप में में दिए गए। 29.73 करोड़ डॉलर का निवेश इक्विटी के रूप में हुआ और शेष 18.38 करोड़ रुपये गारंटी के रूप में दिए गए। हालांकि, भारतीय कंपनियों का कुल विदेशी निवेश जनवरी के 1.19 अरब डॉलर की तुलना में अधिक रहा। फरवरी में भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशी बाजार में किए गए प्रमुख निवेश में टाटा स्टील द्वारा सिंगापुर की अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी में एक अरब डॉलर तथा सन फार्मास्युटिकल्स द्वारा अमेरिका में संयुक्त उद्यम में किया गया 10 करोड़ डॉलर का निवेश शामिल है।

युवा महिला निवेशक उच्च जोखिम, अधिक रिटर्न वाली संपत्तियों में करती हैं निवेश: सर्वे

नयी दिल्ली. युवा महिला निवेशक उच्च जोखिम और अधिक रिटर्न देने वाली संपत्तियों मसलन शेयरों आदि में निवेश करना पसंद करती हैं। एक सर्वे के अनुसार 18 से 25 साल की महिला निवेशकों द्वारा सुरक्षित निवेश विकल्प मसलन सावधि जमा (एफडी) के बजाय उच्च जोखिम वाले विकल्पों में निवेश करने की संभावना तीन गुना अधिक रहती है। यह सर्वे ग्रो ने किया है। इसमें 28,000 लोगों से प्रतिक्रियाएं ली गईं। सर्वे में महिलाओं के निवेश लक्ष्य के बारे में भी बताया गया है। सर्वे के अनुसार 57 प्रतिशत युवा महिलाएं अपने निजी लक्ष्य को हासिल करने के लिए निवेश करती हैं। वहीं 28 प्रतिशत अपने यात्रा लक्ष्य को हासिल करने और 28 प्रतिशत उच्च शिक्षा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए निवेश करती हैं। सर्वे में कहा गया है कि आय और उम्र के साथ निवेश लक्ष्य बदल जाते हैं। इसमें कहा गया है कि 30 लाख रुपये सालाना से अधिक वेतन वाली महिलाएं ने कहा कि जल्दी सेवानिवृत्ति लेने की वजह से वे निवेश करती हैं। 10 से 30 लाख रुपये की आमदनी वाली 36 प्रतिशत और पांच से दस लाख रुपये सालाना कमाने वाली 26 प्रतिशत महिलाओं ने यही बात कही। वहीं 35 साल से अधिक आयु की 64 प्रतिशत महिलाओं का कहना था कि वे शादी और बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश कर रही हैं। सर्वे में बताया गया है कि म्यूचुअल फंड में निवेश महिलाओं का सबसे पसंदीदा विकल्प है। सभी वेतन वर्गों की महिलाएं म्यूचुअल फंड में निवेश पसंद करती हैं। महिलाएं सोने में अच्छा-खासा निवेश करती हैं। सर्वे में शामिल 25 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि उन्होंने सोने में निवेश किया है। 10 लाख रुपये सालाना से अधिक कमाने वाली 40 प्रतिशत महिलाओं ने सोने में निवेश किया है। इसके अलावा 30 लाख रुपये सालाना से अधिक कमाने वाली छह प्रतिशत महिलाओं ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश किया है। वहीं 10 लाख रुपये सालाना से कम कमाने वाली सिर्फ चार प्रतिशत महिलाओं ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश किया है।

रिकॉर्ड हाई से 13000 रुपए टूट चुका है सोना, जानें क्या है नई कीमतें

बिजनेस डेस्क:

देश में सोने की कीमतों में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। हाजिर बाजार में सोने का भाव इसके रिकॉर्ड हाई से 13121 रुपए नीचे आ चुका है। अगस्त 2020 में दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने का हाजिर भाव 57008 रुपए प्रति 10 ग्राम के मार्क पर पहुंच गया था। अब यह 43,887 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। सिर्फ इसी साल में सोने में 5000 रुपए से ज्यादा की गिरावट आई है। शुक्रवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने का भाव 522 रुपए की गिरावट के साथ 43,887 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं दूसरी तरफ चांदी 1822 रुपये गिरकर 64,805 रुपए प्रति किलो ग्राम पर आ गई है।

2020 में इतनी ज्यादा क्यों बढ़ी थी कीमत

कोरोना वायरस की वजह से 2020 में सोने के दाम में तगड़ी तेजी रही थी, जिसकी वजह से लोग निवेश का सुरक्षित ठिकाना ढूंढ रहे थे। सोने में निवेश हमेशा से ही सुरक्षित रहा है। कोरोना की वजह से शेयर बाजार में लोगों ने निवेश कम कर दिया, क्योंकि शेयर बाजार में निवेश रिस्की होता है। पिछले साल जनवरी-फरवरी में तो सोना धीरे-धीरे बढ़ रहा था लेकिन मार्च में भारत में कोरोना वायरस की दस्तक के बाद इसने स्पीड पकड़ ली।

अब क्यों नीचे आ रहे भाव

कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए वैक्सीन के मोर्चे पर सकारात्मक खबरों से सोने की कीमतों में गिरावट आ रही है। वहीं अब कोरोना वायरस की वैक्सीन भी आ चुकी है और वैक्सिनेशन की शुरुआत भी हो गई है। ऐसे में निवेशक सोने को छोड़कर शेयर बाजार का

रुख कर रहे हैं, जहां कम समय में अधिक रिटर्न पाया जा सकता है। यही वजह है कि निकट भविष्य में सोने की कीमतों में भारी उछाल की संभावना नहीं है। हालांकि, लंबी अवधि के लिए सोना अभी भी निवेश का अच्छा विकल्प माना जा रहा है।

बजट ऐलान के बाद लगातार गिर रहे दाम

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2021 के अपने प्रस्तावों में सोने और चांदी पर आयात शुल्क में भारी कटौती की घोषणा की थी। सीतारमण ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क में 5 फीसदी की कटौती की है। अब सोने और चांदी पर 12.5 फीसदी के बजाय सिर्फ 7.5 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी चुकानी होगी। इस घोषणा के बाद से सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आ रही है। भारत बड़े पैमाने पर सोने का आयात करता है। चीन के बाद भारत सोने का सबसे बड़ा खरीदार है।

बैंकिंग प्रणाली में अत्यधिक तरलता, कई बैंकों की आवास ऋण दर एक दशक के निचले स्तर पर

मुंबई,

अत्यधिक तरलता के बीच सामान्य कर्ज की मांग वांछित स्तर से नीचे रहने के बीच देश के प्रमुख बैंकों ने अपनी आवास ऋण दरों को घटाकर एक दशक के निचले स्तर पर ला दिया है। इनमें भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक शामिल हैं। इससे ग्राहकों के पास अपने घर के सपने को पूरा करने के लिए कर्ज के कई विकल्प उपलब्ध हो गए हैं। अत्यधिक तरलता की स्थिति के बीच बैंकों में ब्याज दर युद्ध छिड़ा हुआ है। केयर रेटिंग्स के अनुसार पिछले सप्ताह तक बैंकों के पास 6.5 लाख करोड़ रुपये की नकदी थी। अत्यधिक नकदी से बैंकों का मुनाफा प्रभावित होता है, क्योंकि उन्हें जमाकर्ताओं को इसके लिए ब्याज देना होता है। हालांकि, इसकी ब्याज दर अभी 2.5 प्रतिशत के निचले स्तर पर है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक भी बैंकों से ब्याज दरों में नीतिगत दरों में आई कमी के अनुरूप कटौती के लिए दबाव बना रहा है। मार्च, 2020 से रिजर्व बैंक ने रेपो दर को दो प्रतिशत घटाकर चार प्रतिशत कर दिया है। हालांकि, इसके बावजूद ऋण की मांग छह प्रतिशत से कम है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते वित्त वर्ष में महामारी की वजह से आवास ऋण की वृद्धि घटी है। इसकी शुरुआत मार्च, 2020 से हो गई थी। जनवरी, 2020 में आवास ऋण की वृद्धि 17.5 प्रतिशत थी, जो जनवरी, 2021 में घटकर 7.7 प्रतिशत रह गई है। मौजूदा परिदृश्य में आवास ऋण बैंकों के लिए सबसे सुरक्षित दांव है। इसमें गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) कम होती हैं। एसबीआई का आवास ऋण एनपीए सिर्फ 0.67 प्रतिशत है। आवास ऋण के मामले में महामारी की वजह से ग्राहक भी लाभ की स्थिति में हैं। संपत्ति के दाम घटे हैं। वहीं कई राज्यों ने स्टाम्प शुल्क भी घटाया है। हालांकि, इसके बावजूद बैंक ऋण के लिए दरों में भिन्नता रख रहे हैं। ग्राहकों को कर्ज देने से पहले उनका 'क्रेडिट स्कोर' देखा जाता है। एसबीआई और कोटक महिंद्रा बैंक ने अपने आवास ऋण की दर घटाकर क्रमश- 6.7 प्रतिशत ओर 6.65 प्रतिशत कर दी है। हालांकि, इस दर पर सिर्फ उन्हीं ग्राहकों को कर्ज मिलेगा, जिनका क्रेडिट स्कोर 800 या अधिक होगा। इसके अलावा एचडीएफसी को छोड़कर अन्य बैंकों की नयी दरें सिर्फ 31 मार्च तक हैं। ब्याज दर युद्ध की शुरुआत देश के सबसे बड़े भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने की थी। एसबीआई का आवास ऋण पांच लाख करोड़ रुपये है। कुल 14.17 लाख करोड़ रुपये के ऋण बाजार में एसबीआई की हिस्सेदारी 34 प्रतिशत है। एसबीआई ने अपनी आवास ऋण दर को 0.10 प्रतिशत घटाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही उसने प्रोसेसिंग शुल्क में भी छूट दी है। एसबीआई की उप प्रबंध निदेशक (खुदरा कारोबार) सलोनी नारायण ने कहा कि बैंक 31 मार्च तक 75 लाख रुपये का ऋण 6.7 प्रतिशत तथा इससे ऊपर का कर्ज 6.75 प्रतिशत ब्याज पर देगा। साथ ही इसपर कोई प्रोसेसिंग शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा यदि महिलाएं मोबाइल ऐप योनो के जरिये आवेदन करेंगी तो उन्हें अतिरिक्त 0.05 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। कोटक महिंद्रा बैंक ने भी अपनी आवास ऋण दर को 0.10 प्रतिशत घटाकर 6.65 प्रतिशत कर दिया है। कोटक महिंद्रा बैंक द्वारा ऋण दर को घटाने के दो दिन बाद एचडीएफसी ने भी अपने नए और मौजूदा ग्राहकों के लिए आवास ऋण दर को असीमित अवधि के लिए 0.05 प्रतिशत घटाकर 6.75 प्रतिशत कर

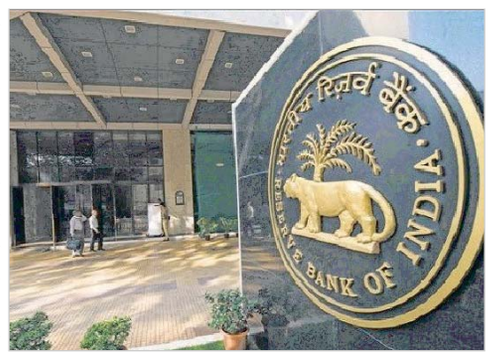

दिया था। बाद में एचडीएफसी ने आवास ऋण दर में 0.05 प्रतिशत की और कटौती की। साथ ही प्रोसेसिंग शुल्क को 3,000 रुपये निश्चित कर दिया।

इन बैंकों के बाद आईसीआईसीआई बैंक ने भी पांच मार्च को 75 लाख रुपये तक के आवास ऋण पर ब्याज दर को घटाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया। 75 लाख रुपये से अधिक के कर्ज के लिए ब्याज दर 6.75 प्रतिशत होगी।

नीलामी में खरीदे गए स्पेक्ट्रम के अग्रिम भुगतान को दूरसंचार कंपनियों को डिमांड नोट भेजेगा विभाग

नई दिल्ली:

दूरसंचार विभाग (डीओटी) हाल ही में संपन्न नीलामी में खरीदे गए स्पेक्ट्रम के अग्रिम भुगतान को लेकर दूरसंचार कंपनियों को डिमांड नोट जारी करेगा। हाल ही में हुई नीलामी में 855.6 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम के लिए 77,800 करोड़ रुपए से अधिक की बोलियां प्राप्त हुईं। अरबपति मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो ने नीलामी में सबसे अधिक खर्च किया। जियो ने 800 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज और 2300 मेगाहर्ट्ज जैसे बैंड में 488.35 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम 57,122.65 करोड़ रुपए में खरीदा है। भारती एयरटेल ने 355.45 मेगाहर्ट्ज के लिए 18,699 करोड़ रुपए की बोली लगाई, जबकि वोडाफोन आइडिया ने 1,993.40 करोड़ रुपए में 11.90 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम खरीदे। दूरसंचार विभाग के सूत्रों ने बताया कि इस सप्ताह तीनों कंपनियों को डिमांड नोट भेजे जाएंगे। इसमें मुख्य रूप से आवंटन के लिए तैयार स्पेक्ट्रम के लिए अग्रिम भुगतान की आवश्यकता पर जोर दिया जाएगा। स्पेक्ट्रम की पेशकश 20 साल की वैधता अवधि के लिए की जाएगी।

नीलामी की शर्तों के अनुसार, सफल बोलीदाता एक ही बार में पूरी बोली राशि का भुगतान कर सकते हैं या एक निश्चित राशि का अग्रिम भुगतान करने के विकल्प का उपयोग कर सकते हैं।

SIFCL का उप-ब्रोकर लाइसेंस दो साल पहले ही 'सरेंडर' कर दिया था: सहारा

नई दिल्ली:

सहारा इंडिया ने कहा है कि उसने सहारा इंडिया फाइनेंशियल कॉरपोरेशन लि. (एसआईएफसीएल) का लाइसेंस दो साल पहले ही स्वैच्छिक रूप से 'सरेंडर' कर दिया था। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कुछ दिन पहले पात्रता के मानदंड का अनुपालन नहीं करने के लिए एसआईएफसीएल का उप-ब्रोकर पंजीकरण प्रमाणन रद्द कर दिया था। इसके बाद कंपनी का यह बयान आया है।

इससे पहले तीन मार्च को सेबी ने पात्रता मानदंड पर उपयुक्त नहीं बैठने की वजह से एसआईएफसीएल का उप-ब्रोकर के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिया था।

सहारा इंडिया परिवार ने रविवार को बयान में कहा, ''कंपनी स्वैच्छिक रूप से दो साल पहले ही लाइसेंस 'सरेंडर' कर चुकी है।''

बयान में कहा गया, ''समूह द्वारा चार मार्च को सेबी के लिखे पत्र में कहा गया है कि उसने तीन अक्टूबर, 2018 को एसआईएफसीएल का उप-ब्रोकर लाइसेंस आईडीबीआई कैपिटल को 'सरेंडर' कर दिया था। इस बारे में आठ अक्टूबर, 2018 को पत्र लिखा गया था।'' बयान में कहा गया, ऐसा लगता है कि स्वैच्छिक रूप से लाइसेंस रद्द करने की जानकारी सेबी की निगाह से चूक गई है। ऐसे में सेबी का आदेश ''सरेंडर करने की वजह से रद्द'' होना चाहिए था। बयान में आगे कहा गया है, आठ अक्टूबर, 2018 को लिखे पत्र में एसआईएफसीएल ने कहा है कि उसने शुरुआत से जारी लाइसेंसों पर काम नहीं किया है। वह स्वैच्छिक रूप से दोनों लाइसेंस सरेंडर कर रही है।

लचीलापन, अनुसंधान, से भारत को कोविड-19 से लड़ाई की अगुवाई करने में मदद मिली: नायडू

नयी दिल्ली,

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने रविवार को कहा कि लचीलापन, अनुसंधान और पुनर्खोज ने भारत को कोविड-19 के खिलाफ वैश्विक लड़ाई का अगुवा बनने में मदद की है। उन्होंने महामारी की चुनौतियों का तकनीकी समाधान खोजने के लिये भारतीय शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों के प्रयासों की भी सराहना की। उपराष्ट्रपति यहां आयोजित कर्मचारी राज्य बीमा निगम मेडिकल कॉलेज (फरीदाबाद) के पहले स्नातक दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने वायरस के खिलाफ लड़ाई के लिये डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''मैं डॉक्टरों से लेकर नर्सों, पैरा मेडिकल स्टाफ और गांवों में सैनिटरी वर्कर्स, तकनीकी लोगों और आशा कार्यकर्ताओं की पूरी मेडिकल बिरादरी को सलाम करता हूं, जो टीम इंडिया के साथ मिलकर महामारी से लड़ने के लिये आगे आये।'' नायडू ने पीपीई किट, सर्जिकल दस्ताने, फेस मास्क, वेंटिलेटर और टीके जैसी आवश्यक वस्तुओं के उत्पादन के लिये भारतीय उद्योग की सराहना

की। उन्होंने कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में भूमिका के लिये ईएसआईसी द्वारा चलाये जा रहे चिकित्सा और पैरामेडिकल संस्थानों की भी सराहना की। समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति यह देखकर खुश हुए कि सभी पदक विजेता लड़कियां थीं। उन्होंने उन्हें बधाई दी और हर क्षेत्र में महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ''मैंने हमेशा माना है कि यदि आप निस्स्वार्थ समर्पण की भावना के साथ मानवता की सेवा करते हैं, तो आप असीम संतुष्टि प्राप्त करेंगे।'' भारत में जारी दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का जिक्र करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि महामारी का सबसे बुरा दौर खत्म होता दिख रहा है। हालांकि, उन्होंने लोगों को सतर्क रहने और सभी आवश्यक सावधानी बरतने की आदतों को तब तक बनाये रखने के लिये कहा, जब तक कि देश निर्णायक तौर पर महामारी को हरा नहीं देता है।

सरकार का LIC की अधिकृत पूंजी 25,000 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली:

सरकार ने जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की अधिकृत पूंजी को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाकर 25,000 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव किया है, जिससे अगले वित्त वर्ष में कंपनी की सूचीबद्धता में मदद मिलेगी। फिलहाल 29 करोड़ पॉलिसियों के साथ जीवन बीमा कंपनी की चुकता पूंजी 100 करोड़ रुपए है। एलआईसी की शुरुआत 1956 में पांच करोड़ रुपए की शुरुआती पूंजी के साथ हुई थी। एलआईसी का संपत्ति आधार 31,96,214.81 करोड़ रुपए है। जीवन बीमा अधिनियम, 1956 में प्रस्तावित संशोधन के अनुसार एलआईसी की अधिकृत पूंजी को बढ़ाकर 25,000 करोड़ रुपए किया जाएगा। इसे 10 रुपए प्रत्येक के 2,500 करोड़ शेयरों में बांटा जाएगा। वित्त विधेयक, 2021 के तहत प्रस्तावित इस संशोधन से सूचीबद्धता प्रतिबद्धताओं के अनुसार बोर्ड का गठन स्वतंत्र निदेशकों के साथ किया जाएगा। 27 प्रस्तावित संशोधनों में से एक के अनुसार आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के बाद पांच साल तक सरकार एलआईसी में कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सेदारी रखेगी। सूचीबद्धता के पांच साल बाद कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी कम से कम 51 प्रतिशत रहेगी। वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने पिछले महीने कहा था कि एलआईसी के आईपीओ में कम से कम 10 प्रतिशत हिस्सा पॉलिसीधारकों के लिए आरक्षित रहेगा। ठाकुर ने कहा था कि सरकार कंपनी की बहुलांश शेयरधारक बनी रहेगी। साथ ही उसका प्रबंधन पर भी नियंत्रण रहेगा, जिससे पॉलिसीधारकों का हित सुरक्षित रहेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा था कि एक अप्रैल से शुरू होने वाले नए वित्त वर्ष में एलआईसी का आईपीओ आएगा। फिलहाल एलआईसी में सरकार की शतप्रतिशत हिस्सेदारी है। सूचीबद्धता के बाद बाजार पूंजीकरण के लिहाज से यह देश की सबसे बड़ी कंपनी हो जाएगी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय मुक्केबाजों ने एक स्वर्ण सहित 10 पदक जीते

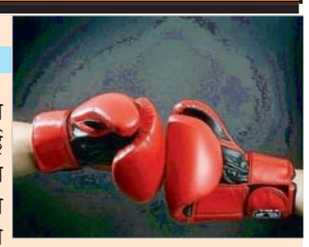

नई दिल्ली । भारतीय मुक्केबाजों ने स्पेन के कास्टेलोन में आयोजित बॉक्सम इंटरनेशनल टूर्नामेंट में एक स्वर्ण सहित कुल 10 पदक जीते और टोक्यो ओलम्पिक के लिए अपनी मजबूत तैयारी का संकेत दे दिया। विश्व चैंपियनशिप के रजत विजेता मनीष ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डेनमार्क के निकोलई तेरतेरयन को 63 किग्रा वर्ग में 3-2 से हराकर स्वर्ण पदक जीता जबकि विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता विकास कृष्णन को स्थानीय मुक्केबाज एनदियो सिसोखो के हाथों 69 किग्रा वर्ग में 1-4 से हारकर रजत से संतोष करना पड़ा। एशियाई चैंपियन पूजा रानी को 75 किग्रा, युवा जास्मिन को 57 किग्रा, सिमरनजीत कौर (60), मुहम्मद हुसामुद्दीन (57), आशीष कुमार (75), सुमि सांगवान (81) और सतीश कुमार (+91) को रजत से संतोष करना पड़ा। आशीष कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के कारण अपने फाइनल से हट गए जबकि चार अन्य मुक्केबाज भी एहतियातन अपने वर्गों के फाइनल से हट गए, ये मुक्केबाज आशीष के नजदीकी संपर्क में थे। छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मैरीकॉम को सेमीफाइनल में हारने करे कारण कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के 14 मुक्केबाजों ने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया।

महिला क्रिकेट

ली और वोल्वार्ट की पारी से द. अफ्रीका जीता

लखनऊ।

सलामी बल्लेबाज लिजेले ली (नाबाद 83) और लौरा वोल्वार्ट (80) की शानदार पारियों से दक्षिण अफ्रीका महिला टीम ने यहां भारत रत्न श्री अटल विहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए पहले वनडे मैच में रविवार को भारतीय महिला टीम को आठ विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। भारतीय महिला टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मिताली राज के 85 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 50 रन की पारी के बदौलत 50 ओवर में नौ विकेट पर 177 रन का स्कोर खड़ा किया। मिताली ने इसके साथ ही करियर का 54वां अर्धशतक बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने ली के 122 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 83 रन और वूलवार्ड्ट के 110 गेंदों पर 12 चौकों के सहारे 80 रन की बदौलत 40.1 ओवर में दो विकेट पर 178 रन बनाकर मैच जीत लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद शानदार रही और ली और वोल्वार्ट ने पहले विकेट के लिए 169 रनों की साझेदारी की। हालांकि झूलन गोस्वामी ने वोल्वार्ट को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद झूलन ने कप्तान सुने लूस को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को दूसरा झटका दिया। लूस ने नौ गेंदों पर एक रन बनाए। भारत की ओर से झूलन ने 38 रन देकर दो विकेट लिए। इससे पहले, भारतीय महिला टीम की बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही और मिताली के अलावा हरमनप्रीत कौर ने 41 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 40 रन, दीप्ति शर्मा शर्मा 27 और स्मृति मंधाना ने 14 रन बनाए जबकि पूनम यादव नौ रन बनाकर नाबाद रहीं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से शब्निम इस्माइल ने तीन विकेट, नोनकुलुलेको मलाबा ने दो, मरिजाने काप, अयाबोंगा खाका और कप्तान सुने लूस ने एक-एक विकेट लिया। भारतीय महिला टीम का पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में हुए टी20 विश्व कप के फाइनल के बाद यह पहला अंतरराष्ट्रीय मैच था। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा मुकाबला इसी मैदान पर मंगलवार को खेला जाएगा।

वेलिंग्टन टी-20 : न्यूजीलैंड ने आस्ट्रेलिया से 3-2 से जीती सीरीज

वेलिंग्टन।

मैन ऑफ द मैच मार्टिन गुप्टिल (71) के विस्फोटक पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने आज यहां वेस्टपैक स्टेडियम में खेले गए पांचवें और अंतिम टी-20 मैच में आस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज 3-2 से अपने नाम कर ली। आस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 142 रन का स्कोर बनाया, जिसे मेजबान न्यूजीलैंड ने 15.3 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। कीवी टीम के लिए गुप्टिल ने 46 गेंदों पर सात चौके और चार छक्के लगाए। गुप्टिल को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। उनके अलावा डेवन कॉन्वे ने 28 गेंदों पर 36 और ग्लैन फिलिप्स ने 16 गेंदों पर पांच चौके और दो छक्के लगाकर टीम को सात विकेट से जीत दिला दी। आस्ट्रेलिया के लिए रिले मेरेडिथ ने दो और झाय रिचर्डसन ने एक विकेट लिया। इससे पहले, आस्ट्रेलिया ने आठ विकेट पर 142 रन का स्कोर बनाया। टीम के लिए कप्तान एरॉन फिंच ने 32 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्के के सहारे 36, मैथ्यू वेड ने 29 गेंदों पर 44 और मार्कस स्टोयनिस ने 26 रनों का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के लिए इश सोढी ने तीन और टिम साउदी तथा ट्रेंट बाउल्ट ने दो-दो जबकि मार्क चैपमैन को एक विकेट मिला।

कुश्ती : विनेश ने रोम रैंकिंग सीरीज में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली।

एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश फोगाट ने कनाडा की डियाना विकर को हराकर रोम में हुए माताओ पेलिकोन रैंकिंग सीरीज में स्वर्ण पदक जीत लिया। 26 वर्षीय विनेश ने विकर को 4-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। विनेश का दो सप्ताह के अंदर यह दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले उन्होंने यूक्रेन के कीव में आयोजित हुए आउट्स्टैंडिग यूक्रेन कुश्ती कोच मेमोरियल टूर्नामेंट के 53 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था।

9 अप्रैल से शुरु होगा आईपीएल 2021, मुंबई और बैंगलोर के बीच होगा पहला मैच

- लीग स्तर के 56 मैच 6 शहरों में होंगे
- दोपहर के मैच 3.30 बजे जबकि शाम के मैच 7.30 बजे शुरू होंगे

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 14 वां संस्करण अगले माह 9 अप्रैल से शुरु होकर 30 मई तक चलेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसके लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। कोरोना महामारी को देखते हुए यह टूर्नामेंट जैव सुरक्षा घेरे (बायोबबल) में होगा। पहला मैच मौजूदा चैम्पियन मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेला जाएगा जबकि फाइनल 30 मई को होगा। 52 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 60 मुकाबले होंगे जिसमें शाम के मैच 7.30 बजे और दोपहर के मैच 3.30 बजे शुरू होंगे। टूर्नामेंट में 11 दिन 2-2 मैच खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने यहां जारी बयान में कहा, 'लीग चरण में प्रत्येक टीम चार स्थलों पर खेलेगी। लीग चरण में कुल 56 मैच होंगे जिनमें से चेन्नई, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरू 10-10 जबकि अहमदाबाद और दिल्ली आठ-आठ मैचों की मेजबानी करेंगे। इसमें कहा गया है, 'इस आईपीएल की एक विशेषता यह होगी कि सभी मैच तटस्थ स्थलों पर खेले जाएंगे तथा कोई भी टीम अपने घरेलू मैदान पर नहीं खेलेगी। सभी टीमें लीग चरण में छह स्थानों में से चार में खेलेगी।

बीसीसीआई को उम्मीद है कि वह दो साल के बाद देश में टूर्नामेंट के आयोजन में सफल रहेगा। टूर्नामेंट के दौरान मैचों में दर्शकों को प्रवेश देने पर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने अपने एक बयान में कहा, 'पिछले साल यूएई में सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल के साथ टूर्नामेंट के सुरक्षित और सफल आयोजन के बाद बीसीसीआई स्वदेश में सभी खिलाड़ियों और टूर्नामेंट से जुड़े लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ आईपीएल के आयोजन के प्रति आश्वस्त है। शाह ने कहा, ''टूर्नामेंट का कार्यक्रम इस प्रकार से तैयार किया गया है कि लीग चरण में प्रत्येक टीम को केवल तीन बार मैच के लिए दौरा करने की जरूरत पड़ेगी। इससे टीमो काआवागमन कम होगा और संक्रमण का खतरा भी घटेगा। आईपीएल का आयोजन खाली स्टेडियमों में होगा और दर्शकों को आने की अनुमति टूर्नामेंट के बाद में चरण में मिलेगी। प्लेऑफ के अलावा खिताबी मुकाबला नये मोटेरा स्टेडियम रखा गया है।

पहली बार घरेलू मैदानों की जगह तटस्थ स्थलों पर होंगे सभी मैच

आईपीएल आयोजन में इस बार कोरोना महामारी को देखते हुए कुछ बदलाव भी किये गये हैं। इस बार सिर्फ 6 शहरों में ही आईपीएल के सभी मुकाबले खेले जाएंगे। इसमें चेन्नई, बेंगलुरु, मुंबई, कोलकाता, दिल्ली और अहमदाबाद शामिल हैं। चेन्नई, बेंगलुरु, मुंबई और कोलकाता में लीग स्टेज के 10-10 मैच होंगे. जबकि अहमदाबाद और दिल्ली में 8-8 मैच खेले जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

बुगाथा और सुधा ने जीता नई दिल्ली मैराथन का खिताब

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष धावक श्रीनू बुगाथा और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता सुधा सिंह ने रविवार को छठे नई दिल्ली मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में जीत हासिल की। बुगाथा और सुधा हालांकि इस साल होने वाल टोक्यो ओलंपिक क्वालीफिकेशन के समय को पार नहीं कर सके। बुगाथा ने दो घंटे 14 मिनट और 59 सेकेंड में दौड़ पूरी की जबकि सुधा दो घंटे 43 मिनट और 42 सेकेंड में दौड़ पूरी कर पहला स्थान प्राप्त किया। बुगाथा ने अपने निजी सर्वश्रेष्ठ समय में सुधार किया लेकिन वह ओलंपिक के क्वालीफिकेशन मार्क दो घंटे 11 मिनट और 30 सेकेंड के समय से आगे निकल गए। 3,000 स्टीपलचेज में एशियाई खेलों की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता सुधा भी ओलंपिक क्वालीफिकेशन मार्क दो घंटे 29 मिनट और 30 सेकेंड के समय से आगे निकल गईं।

रोड टू मेल्टवाटर शतरंज - गुकेश और आरोण्यक में होगा ख़िताबी मुक़ाबला

नई दिल्ली (निकलेश जैन) चैम्पियन चैस टूर के इंडियन ओपन मे जगह बनाने के लिए भारत के युवा ग्रांड मास्टरों के बीच रोड टू मेल्टवाटर शतरंज के ख़िताबी मुक़ाबले मे दुनिया के दूसरे सबसे कम उम्र के ग्रांड मास्टर डी गुकेश और बंगाल के इंटरनेशनल मास्टर आरोण्यक घोष आपस में मुक़ाबला खेलेंगे । सेमी फाइनल मे एसएल नारायनन को पराजित करते हुए गुकेश नें फाइनल में जगह बनाई । हालांकि दोनों के बीच हुए इस मुक़ाबले में गुकेश को पहले मैच में काले मोहरो से कारो कान डिफेंस में 81 चालों के मैराथन मुक़ाबले में हार का सामना करना पड़ा पर दूसरे मैच में गुकेश नें लंदन सिस्टम में 51 चालों में बेहतरीन जीत के साथ वापसी की और स्कोर 1-1 कर दिया । इसके बाद हुए टाईब्रेक आर्मागोदेन मुक़ाबले में काले मोहरो से कारो कान ओपेनिंग में शानदार खेल से 37 चालों में मुक़ाबला जीत 2-1 के स्कोर से फाइनल में प्रवेश कर लिया । वहीं खिताब के प्रबल दावेदार अर्जुन एरिगासी को आरोण्यक घोष नें पराजित करते हुए चौंका दिया । दोनों के बीच पहला मैच ड्रॉ रहा जबकि दूसरे मैच में सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए आरोण्यक घोष नें इंग्लिश ओपेनिंग में 36 चालों में बाजी जीत 1.5-0.5 के स्कोर से फाइनल में प्रवेश कर लिया ।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज : पीटरसन की क्रिकेट में वापसी, बांग्लादेश की नजरें जीत पर

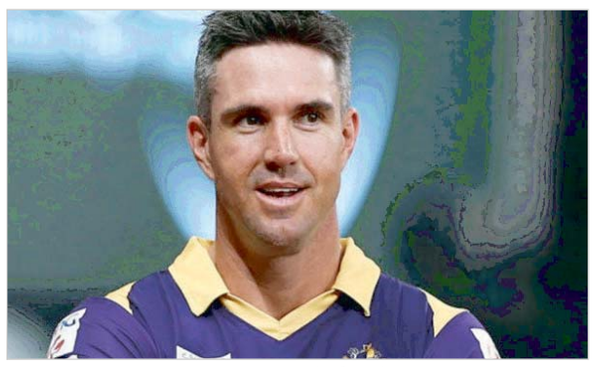

रायपुर।

इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज केविन पीटरसन दो साल के बाद क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं और अब सभी की नजरें उन्हीं पर होंगी, जब रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज टी20 के तीसरे मैच में आज (रविवार) इंग्लैंड लीजेंड्स का सामना बांग्लादेश लीजेंड्स होगा। करीब 13000 इंटरनेशनल रन और सभी फॉर्मेट में 32 शतक लगाने वाले पीटरसन संन्यास लेने से पहले तक इंग्लैंड के लिए मैच विजेता खिलाड़ी के रूप में जाने जाते थे। इंग्लैंड के इस स्टार खिलाड़ी को एक बार फिर से क्रिकेट के मैदान पर देखना दिलचस्प होगा। पीटरसन के अलावा इंग्लैंड के पास जोनाथन ट्रॉट, जेम्स टिंडल, उस्मान अफजल, कबीर अली, मैथ्यू होगार्ड, ryan साइडबॉटम, मोंटी पनेसर और साजिद महमूद जैसे दिलचस्प नाम हैं, जो पिछले दिनों इंग्लैंड क्रिकेट में बड़ा प्रभाव डाल रहे थे। यह श्रृंखला भी उससे अलग नहीं होगा।दूसरी तरफ, सीरीज के अपने पहले ही मैच में इंडिया लीजेंडस से मिली हार के बाद बांग्लादेश लीजेंडस के लिए सीरीज की शुरूआत निराशाजनक रही है। शुक्रवार को सचिन तेंदुलकर की अगुवाई वाले इंडिया लीजेंडस के खिलाफ बांग्लादेश लीजेंडस गेंदबाजी और बल्लेबाजी विभाग में संघर्ष करती हुई नजर आई।नजफगढ़ के नवाब के नाम से मशहूर वीरेंद्र सहवाग के सामने बांग्लादेश लीजेंडस बेबस थी। सहवाग ने 35 गेंदों पर 80 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर मोहम्मद रफीक की अगुवाई वाले बांग्लादेश लीजेंडस को ध्वस्त कर दिया था। बांग्लादेश लीजेंडस इस मैच में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना चाहेगी। पिछले मैच में इंडिया लीजेंडस की तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने उनकी बल्लेबाजी 109 रनों पर सिमट गई थी। एक और हार उनके लिए टूनार्मेंट के अगले चरण के लिए आगे की राह मुश्किल बना देगा।

हॉकी : सिमरनजीत के गोल से भारत ने ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला

एंटवेर्प (बेल्जियम)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने स्ट्राइकर सिमरनजीत सिंह के गोल की बदौलत यूरोप दौरे के तीसरे मैच में ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। ग्रेट ब्रिटेन की ओर से एलान फोरसिथ ने दूसरे क्वार्टर में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई लेकिन सिमरनजीत ने 57वें मिनट में गोल कर बराबरी हासिल की और मैच 1-1 से ड्रॉ करा दिया। ग्रेट ब्रिटेन को 10वें मिनट में पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने गोल होने से रोक दिया। दोनों टमों ने पहले क्वार्टर में गोल करने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सके। ग्रेट ब्रिटेन ने दूसरे क्वार्टर में भी आक्रामक खेल जारी रखा और पेनल्टी कार्नर हासिल किया। लेकिन श्रीजेश की जगह मैदान पर उतरे कृशन बी पाठक ने अपने प्रयास से गोल होने से रोक दिया। भारत ने भी गोल करने के मौके बनाए लेकिन सफल नहीं हो सकी। हालांकि कुछ देर बाद ही एलान ने गोल कर ग्रेट ब्रिटेन को 1-0 की बढ़त दिला दी। भारत ने इसके बाद बराबरी करने की पूरी कोशिश की और सिमरनजीत ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। निर्धारित समय तक दोनों टीमों की ओर से कोई अन्य गोल नहीं होने के कारण मुकाबला 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारत यूरोप दौरे पर अपना चौथा और आखिरी मैच सोमवार को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ खेलेगा।

स्पेनिश फुटबॉल लीग : मेस्सी के शानदार प्रदर्शन से जीता बार्सिलोना

बार्सिलोना । लियोनेल मेस्सी के शानदार प्रदर्शन से बार्सिलोना ने ओसासुना को 2-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा। मेस्सी ने खेल के 30वें मिनट में जोर्डी अल्बा के लिए गेंद बनायी जिससे बार्सिलोना 1-0 से बढ़त हासिल करने में सफल रहा। इसके बाद 83वें मिनट में 18 वर्षीय इलेक्स मोरिबा ने उनके खूबसूरत पास पर दूसरा गोल दागा। बार्सिलोना लीग में पिछले 16 मैचों से अजेय है और उसके 26 मैचों में 56 अंक हो गए हैं। वह एटलेटिको मैड्रिड से दो अंक पीछे है जिसने अभी तक 24 मैच खेले हैं। रीयाल मैड्रिड 25 मैचों में 53 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। अन्य मैचों में एल्ची ने सेविला को 2-1 से, वल्लाडोलिड ने गेटाफे को 2-1 से और कैडिज ने इबार को 1-0 से हराया।

बायो बबल में क्रिकेट पर बात करने और एक दूसरे को समझने का मौका मिला : शास्त्री

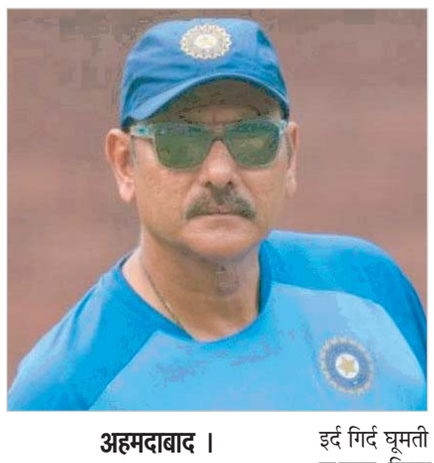

अहमदाबाद ।

भारतीय कोच रवि शास्त्री ने जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में रहने के सकारात्मक पक्षों पर गौर करते हुए रविवार को यहां कहा कि इस कारण पिछले कुछ महीनों में खिलाड़ियों के बीच आपसी रिश्ते प्रगाढ़ हुए और इस बीच उनकी बातचीत क्रिकेट के इर्द गिर्द घूमती रही जिससे टीम को फायदा मिला। खिलाड़ी पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से ही जैव सुरक्षित वातावरण में हैं। इसके बाद टीम आस्ट्रेलिया दौरे पर गयी और अब इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला खेल रही है। शास्त्री ने भारत की इंग्लैंड पर टेस्ट श्रृंखला में 3-1 से जीत और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश करने के एक दिन बाद वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'कोई विकल्प नहीं है। खिलाड़ियों को एक सीमित स्थान में रहना पड़ रहा है। वे बाहर नहीं जा सकते, वे किसी से नहीं मिल सकते और अब भी ऐसा है। उन्होंने कहा, 'इसलिए अगर आप अपने कमरे से बाहर जाना चाहते हो तो टीम क्षेत्र में जाओ जहां आप अन्य खिलाड़ियों से मिल सकते हो। इससे खिलाड़ी खेलने के बाद अक्सर एक दूसरे से मिलते रहते हैं।' मुख्य कोच ने कहा, 'और जब आप नियमित तौर पर मिलते हो तो खेल को लेकर भी बात होगी जैसा कि हमारे समय में हुआ करती थी। जैसे कि आप मैच के बाद अब भी ड्रेसिंग रूम में बैठे हो और क्रिकेट पर बात कर रहे हो।' शास्त्री ने कहा कि बायो बबल के कारण खिलाड़ियों को एक दूसरे को अच्छी तरह से समझने में मदद मिली और उन्होंने अपने निजी मसलों पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'इसलिए सबसे अच्छी बात यह रही कि टीम के सदस्यों ने आपस में क्रिकेट पर बात की। उनके पास कोई विकल्प नहीं था और इसलिए उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर होना पड़ा और इससे बहुत मदद मिली।' शास्त्री ने कहा कि क्रिकेट पर बात करने से खिलाड़ियों को एक दूसरे को अच्छी तरह से समझने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'उन्हें एक दूसरे की पृष्ठभूमि, मानसिक स्थिति, उनके रहने के स्थान, उनके जीवन के बारे में समझने का मौका मिला।'

अदिति ने कट हासिल किया , लाहिड़ी नाकाम रहे

ओकाला। भारत की अदिति अशोक ने दूसरे दौर में एक ओवर 73 का कार्ड खेलकर यहां ड्राइव ऑन गोल्फ चैंपियनशिप में कट हासिल किया है। पहले दिन इवन पार 72 का कार्ड खेलने वाली अदिति दूसरे दिन के खेल के बाद संयुक्त रूप से 45वें स्थान पर रही है। अदिति ने 16वें और 17वें होल में बोगी किया पर 18वें होल में उन्होंने बर्डी लगाकर शानदार वापसी की। वहीं एनसीएए चैंपियन जेनिफर कोपचो और आस्टिन अर्नस्ट ने लगातार दूसरे दौर में पांच अंडर 67 का कार्ड खेलकर संयुक्त रुप से शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। वहीं ओरलैंडो में भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी अर्नोल्ड पामर आमंत्रण टूर्नामेंट के दूसरे दौर में छह ओवर 78 का कार्ड खेलकर कट में जगह नहीं बना पाये। वह केवल एक ही बर्डी लगा सके। लाहिड़ी ने पहले दौर में इवन पार 72 का कार्ड खेला था। फ्रंट नाइन में लाहिड़ी एक ओवर चल रहे थे और इसके बाद वह 11वें होल में डबल बोगी कर बैठे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

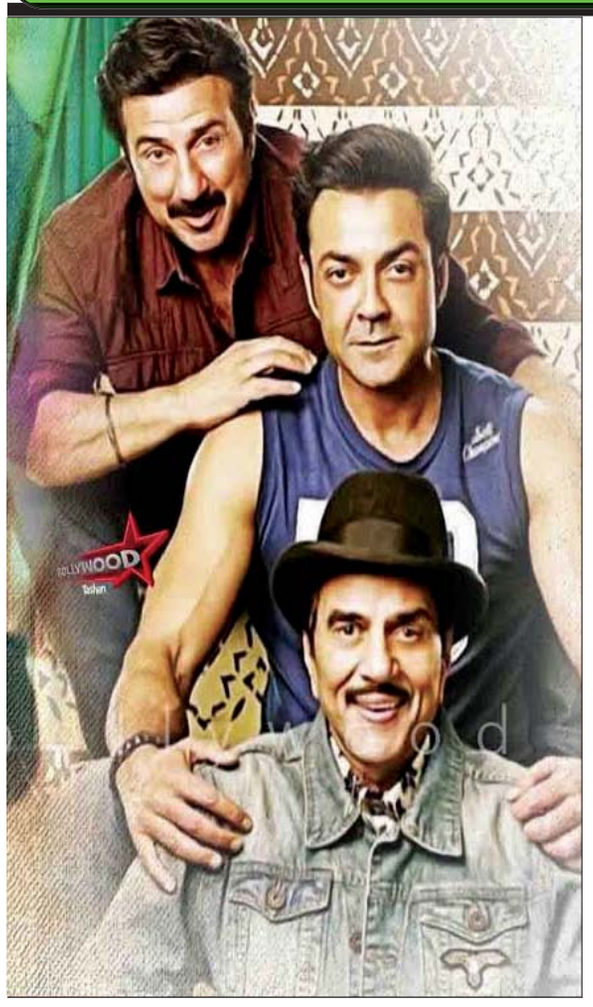

सनी देओल की अपने 2 की रिलीज आगे बढ़ी, नहीं होगा पृथ्वीराज और जर्सी से मुकाबला

सनी देओल की अपने 2 की रिलीज आगे बढ़ी, पृथ्वीराज और जर्सी से मुकाबला टला - कुछ दिनों पहले फिल्म निर्माता-निर्देशक अनिल शर्मा ने धर्मेन्द्र, सनी देओल, बॉबी देओल और करण देओल को लेकर 'अपने 2' बनाने की घोषणा की थी। साथ ही कहा था कि यह फिल्म दिवाली 2021 को रिलीज की जाएगी। फिल्म की शूटिंग अप्रैल में शुरू करने का प्लान था, लेकिन फिल्म की स्क्रिप्ट अब तक तैयार नहीं हुई है। अनिल शर्मा और देओल्स लेखकों की टीम के साथ अभी भी स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं इसलिए शूटिंग अब जुलाई से शुरू होगी। इस कारण से फिल्म की दिवाली रिलीज टल गई है। पहले यह फिल्म दिवाली पर अक्षय कुमार की 'पृथ्वीराज' और शाहिद कपूर की 'जर्सी' से टकराने वाली थी, लेकिन अब फिल्म 2022 में रिलीज होगी और दिवाली पर अक्षय बनाम शाहिद का मुकाबला होगा। अपने 2007 में रिलीज हुई थी जिसे देओल के फैंस ने पसंद किया था। यह फिल्म भारत में हिट रही थी और लगभग 45 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। फिल्म में शिल्पा शेट्टी और कैटरीना कैफ भी थीं। यह एक बॉक्सर के परिवार की कहानी थी। 14 साल बाद इसका सीक्वल फिर बनने जा रहा है। अपने 2 की कहानी वहीं से शुरू होगी जहां पर अपने की खत्म हुई थी। फिल्म की स्टार कास्ट में करण देओल भी जुड़ गए हैं जो बॉक्सर का रोल अदा करेंगे। फिल्म की हीरोइनों का चयन अभी नहीं हुआ है।

'द डर्टी पिक्चर' देख विद्या बालन के पिता ने बजाई थी ताली और रोने लगी थीं मां

विद्या बालन का नाम उन अभिनेत्रियों की लिस्ट में शुमार है, जिनके खाते में फिल्मों की संख्या चाहें जरूर कम रही है, लेकिन हर बार दर्शकों को कुछ नया ही देकर गई हैं। विद्या ने अपने करियर में अधिक फिल्मों में काम नहीं किया है लेकिन हर बार फैन्स को खुश जरूर किया है। विद्या के करियर में फिल्म द डर्टी पिक्चर एक अहम योगदान रखती हैं और एक इंटरव्यू में विद्या ने इस बारे में बात भी की।

'पिता ने बजाई ताली'

ई-टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में विद्या बालन ने फिल्म द डर्टी पिक्चर का जिक्र करते हुए कहा था, 'जब मेरे माता-पिता ने द डर्टी पिक्चर की स्क्रीनिंग देखी थी तो मैं थोड़ा डर रही थी कि पता नहीं वो क्या सोचेंगे। हालांकि जब स्क्रीनिंग के बाद वो मुझसे मिले तो मेरे पिता ने ताली बजाते हुए कहा- मुझे फिल्म में मेरी बेटी दिखी ही नहीं।'

'रो पड़ी थीं मेरी मां'

विद्या ने इंटरव्यू में आगे कहा, 'वहीं मेरी मां मुझे देखकर रो रही थी। चूंकि मुझे ऑनस्क्रीन मरता देखना उनके लिए दुखभरा था। वहीं मेरी मां ने मुझसे ये भी कहा कि पूरी फिल्म में एक पल के लिए भी मैं चीप नहीं दिखी। मां का मुझसे ये बात कहना मेरे लिए एक बड़ा कॉमप्लीमेंट था, क्योंकि सेक्सी और स्लीजी के बीच में एक महीन सा अंतर है। हालांकि मैं उन सभी के लिए आभारी हूं, जिनके साथ मैंने काम किया।'

विद्या ने जीता था नेशनल अवॉर्ड

बता दें कि द डर्टी पिक्चर साल 2011 में रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्देशन मिलन लुथरिया ने किया था। फिल्म में जहां विद्या बालन ने सिल्क स्मिता का किरदार निभाया था तो वहीं दूसरी ओर इमरान हाशमी और नसीरुद्दीन शाह भी अहम भूमिकाओं में थे। फिल्म में विद्या का बोल्ड अंदाज फैन्स को काफी पसंद आया था। गौरतलब है कि इस फिल्म के लिए विद्या को बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था।

वैराइटी इंटरनेशनल वीमेन इम्पैक्ट रिपोर्ट 2021 में शामिल होनेवाली दीपिका पादुकोण एकमात्र भारतीय अभिनेत्री

दीपिका पादुकोण वैराइटी इंटरनेशनल वीमेन इम्पैक्ट रिपोर्ट 2021 में शामिल होनेवाली एकमात्र भारतीय अभिनेत्री बनी हैं। सिनेमा में उनके योगदान के लिए और 2021 की विविधता अंतर्राष्ट्रीय महिला प्रभाव रिपोर्ट में परोपकारी प्रयासों में भाग लेने के लिए अभिनेत्री की सराहना की गई है। केवल दो भारतीय महिलाओं में से एक यह अभिनेत्री है, जिन्होंने इस सूची की शोभा बढ़ाई है। दीपिका अपने सोशल मीडिया पर यह खबर साझा करते हुए लिखा है कि वे गौरवान्वित महसूस कर रही हैं।

पिछले कुछ सालों में, दीपिका अपने अभिनय और कार्य से एक प्रभाव पैदा किया है। उन्होंने 2015 में मानसिक स्वास्थ्य के लिये संवाद शुरू किया। 'पद्मावत' और 'छपाक' जैसी फिल्मों में काम किया।

दीपिका का परिचय देते हुए, वैराइटी ने लिखा, 'बॉलीवुड स्टार पादुकोण ने एक एसिड हमले के सर्वायवर के बारे में एक सामाजिक फिल्म 'छपाक' का निर्माण और अभिनय किया, जो पिछले साल की शुरुआत में प्रदर्शित हुई थी। यह बदलाव का दौर 2018 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पद्मावत' से शुरू हुई थी, जिसमें वह रानी पद्मावती की भूमिका में हैं।

अपनी यात्रा के बारे में प्रकाशन से बात करते हुए दी?पिका ने कहा, 'सौभाग्य से, मुझे कभी किसी फिल्म के बजट के आधार पर या विभिन्न अन्य कारणों से निर्णय नहीं लेना पड़ा। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि मैं अपने जीवन में भावनात्मक रूप से कहां हूं। मेरी बहुत सारी पसंद उसी से तय होती हैं।'

रिपोर्ट ने दुनिया भर की 50 महिलाओं को उनके संबंधित क्षेत्रों में उनके प्रभाव के लिए सम्मानित किया।

काया पंजाबी ने पहली शादी को लेकर की बात, बोलीं- मैं खुश नहीं थी, चीजें बस झेलती रही

पॉप्यूलर टीवी एक्ट्रेस काम्या पंजाबी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा खुलकर बोलती आई हैं। अब जब वह शलभ दांग संग शादी करने के बाद खुश हैं तो दूसरी ओर वह अपने पहले के रिश्तों के बारे में बात करने से पीछे नहीं हट रही हैं। काम्या पंजाबी ने 10 साल तक बिजनेसमैन बंटी नेगी संग शादीशुदा जिंदगी बिताई। साल 2013 में दोनों ने अपने रास्ते अलग किए। हाल ही में एक इंटरव्यू में काम्या पंजाबी ने बंटी नेगी संग शादी पर खुलकर बात की।

ईटाइम्स संग बातचीत में काम्या पंजाबी ने कहा, 'मैं अवॉर्ड फंक्शन्स से वापस आती थी और खुद को शीशे में देखती थी और कहती थी कि क्या मैं वहीं इंसान हूं जो कुछ घंटों पहले अवॉर्ड मिलने को लेकर इतनी चीयर की जा रही थी? मैं खुश नहीं थी और खुद को वीक महसूस करती थी, मैं खुद को समझ ही नहीं पा रही थी। खुद की मदद नहीं कर पा रही थी। हां, मैंने एक बार खुद को और चांस दिया और मैं बंटी के पास वापस लौटकर गई। मैं बाद में पछतावा नहीं करना चाहती थी, यह सोचकर कि मैंने अपना 100 पर्सेंट नहीं दिया। उस समय आरा जन्म ले चुकी थी, लेकिन बात नहीं बन पाई। हम दोनों अलग हो गए।'

काम्या पंजाबी ने कब तय किया कि उन्हें बंटी से अलग होना है। इस पर बात करते हुए एक्ट्रेस बोलीं, 'बंटी का एक्सीडेंट हो गया था और वह बेड रेस्ट पर था। मैंने उसके लिए बहुत कुछ किया, लेकिन उसने कभी उस चीज का अहसान नहीं माना। तब मैंने तय कर लिया था कि मुझे अलग होना है। खुद को बेहतर महसूस कराने के लिए मुझे यहां से निकलना होगा। निकलते हुए मैंने किसी को बताया नहीं और न ही किसी से पूछा। मैंने अपना बोग उठाया और मैं निकल गई।'

राहुल वैद्य ने बताया गर्लफ्रेंड दिशा परमार संग कब लेंगे सात फेरे

'बिग बॉस 14' के रनरअप और सिंगर राहुल वैद्य काफी समय से अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। बिग बॉस के घर में उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड दिशा परमार को शादी के लिए प्रपोज किया था। अब उन्होंने कहा है कि वह अपनी गर्लफ्रेंड दिशा परमार से अगले तीन-चार महीने के अंदर शादी रचा लेंगे। राहुल वैद्य ने एक इंटरव्यू में कहा, हम अभी शादी की तारीख तय करने की प्रक्रिया में लगे हुए हैं। हालांकि, हमारी शादी तीन-चार महीनों के अंदर हो जाएगी। हम दोनों ही बहुत शांत स्वभाव के हैं। हम किसी भी चीज को लेकर बहुत जिद्दी नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैंने कई शादियों में परफॉर्म किया है और सब कुछ शानदार होता देखा है। उनकी शादी साधारण तरीके से होगी और इसमें काफी कम लोग शामिल होंगे। राहुल ने बताया कि वे अपनी शादी के बाद एक फंक्शन रखेंगे, जिसमें सभी दोस्त, परिवार, करीबी लोग शामिल होंगे।

बुंदेलखंड की बूढ़ी अमा के बाद सोनू सूद ने किया बिहार की बेटी से मदद का वादा, रखी प्यारी सी 'डिमांड'

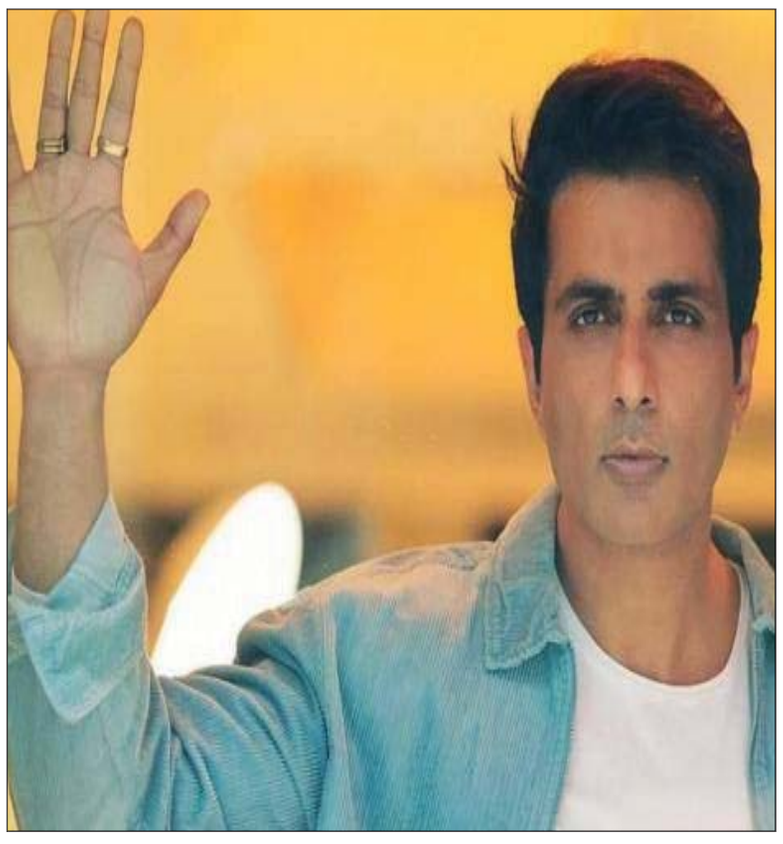

कोरोना काल और लॉकडाउन में अभिनेता सोनू सूद जरूरतमंद लोगों के लिए मसीहा बनकर उभरे। बीते साल से सोनू सूद ने जो बड़े स्तर पर भलाई के कार्य शुरू किए तो अब तक रुके नहीं। करीब- करीब हर दिन कोई न कोई ऐसी खबर सामने आती हैं, जहां सोनू सूद आगे बढ़कर मदद करते हैं। सोनू आज भी मदद के लिए सिर्फ एक ट्वीट या फोन कॉल दूर हैं। ऐसे में हाल ही में जहां सोनू सूद ने एक बूढ़ी अम्मा की मदद की थी तो वहीं अब वो बिहार की बेटी की मदद करने को लेकर चर्चा में हैं।

सोनू सूद से मदद की गुहार

दरअसल बिहार की रहने वालीं ज्योति ने एक ट्वीट किया और सोनू सूद से मदद की गुहार लगाई। ज्योति ने ट्वीट में लिखा, 'सोनू सूद भैया, मेरा नाम ज्योति है और मैं बिहार की रहने वाली हूं। आप हर किसी की मदद कर रहे हैं, मेरी भी थोड़ी मदद कर दीजिए। मुझे अपने परिवार का पालन पोषण करने के लिए एक अगरबत्ती मेकिंग मशीन चाहिए ताकि मैं अपने परिवार का और अपने बच्चों की भूख मिटा सकूं।'

सोनू सूद ने की मदद

ज्योति के इस ट्वीट पर सोनू सूद ने भी मदद का वादा करते हुए लिखा, 'चलो अब बिहार में अगरबत्ती भी बनाकर देख लेते हैं। आपको अगरबत्ती बनाने के मशीन भेज रहा हूं,पहला पैकेट मुझे देना।' सोनू सूद के इस ट्वीट को फैन्स हमेशा की ही तरह काफी पसंद कर रहे हैं, वहीं सोनू की इस प्यार की डिमांड को भी प्यार दे रहे हैं।

बुंदेलखंड में लगवाया हैंडपंप

उत्तर प्रदेश के झांसी और उसके आस पास के इलाकों में पानी की समस्या आम है। बुंदेलखंड में पानी की समस्या को दूर करने के भी हर संभव प्रयास जारी है। ऐसे में जब झांसी की एक बूढ़ी अम्मा का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया तो सोनू सूद ने फिर से मदद का हाथ आगे बढ़ा दिया। वर्षों से पानी की समस्या झेल रहे गांव वालों के लिए जब गांव में ही हैंडपंप लग गए तो उनके खुशी का ठिकाना न रहा। ऐसे में सोनू सूद ने भी लिखा, 'कभी मौका मिला तो इस हैंडपंप का पानी पीने झांसी जरूर आऊंगा। वैसे भी पानी पर हक़ हमसे ज्यादा इन लोगों का है।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रकृति और परमेश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है नारी...

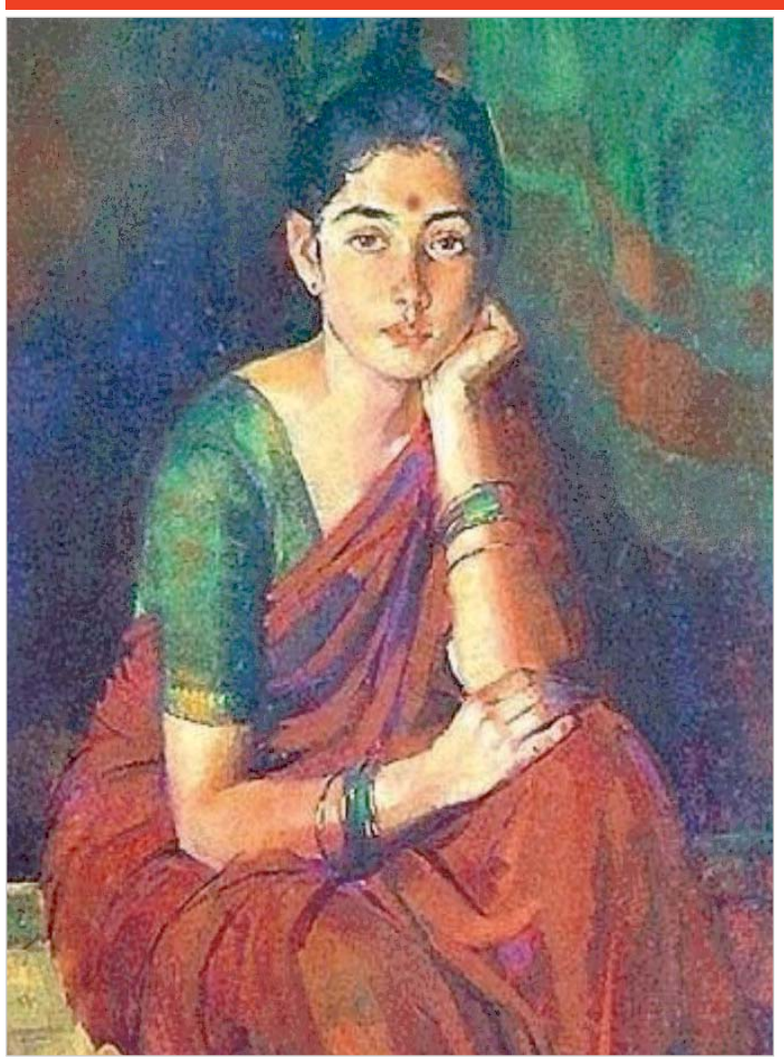

नारी को आज भी तलाश है

स्वाभिमान, सम्मान और स्वतंत्रता भरे वजूद की

नारी ! तुम केवल श्रद्धा हो विश्वास-रजत-नग-पगतल में,
पीयूष-स्त्रोत सी बहा करो,जीवन के सुन्दर समतल में।

रीना अरविन्द छंगानी

- रीना अरविन्द छंगानी
(नारी विमर्श लेखिका)

आज अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस है। पूरी दुनिया के आधे आसमाँ का दिन कहें या कि आधी आबादी का अपना गौरवशाली दिवस, जिस पर संसार की हरेक नारी को गर्व होना भी चाहिए, और गर्व की अभिव्यक्ति के हर अवसर का उपयोग भी। यह दिन हम सभी को याद दिलाता है नारी शक्ति के महत्व, उपादेयता और श्रेष्ठता भरे मूल्यों की। एक सदी से भी अधिक पुराना है महिला दिवस का इतिहास।

आधे आसमाँ के पसीने से उपजा यह दिवस

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एक मजदूर आन्दोलन से उपजा है जिसका बीजारोपण सन् 1908 में हुआ, जब 15 हजार औरतों ने न्यूयार्क शहर में मार्च निकालकर नौकरी के घण्टों में कमी करने की पुरजोर मांग की थी। इसके ठीक एक साल बाद सोशलिस्ट पार्टी ऑफ अमेरिका ने इस दिन को पहला राष्ट्रीय महिला दिवस घोषित कर दिया।

इसके बाद सन् 1910 में कोपनहेगन में कामकाजी महिलाओं की एक इंटरनेशनल कांफ्रेंस के दौरान अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का सुझाव सामने आया। इस कांफ्रेंस में मौजूद 17 देशों की शताधिक महिला प्रतिनिधियों ने इसका समर्थन किया। तभी तब से इस दिवस को राष्ट्रीय से अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

सौभाग्य से आज हम 109 वां अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने जा रहे हैं। भारत सहित दुनिया के कई देशों में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सप्ताह भर की गतिविधियों का आयोजन किए जाने की परम्परा बनी हुई है।

असंभव है नारी के अपार अवदान का मूल्यांकन

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर चन्द रंगों वाले प्रमाण पत्रों, प्रशस्ति पत्रों, सम्मान और अभिनंदन पत्रों तथा प्रतीक या स्मृति चिह्नों से महिलाओं के सम्मान मात्र से कुछ हासिल नहीं होने वाला। एक महिला अपने जीवन काल में रोजमर्रा ढेरों कार्य करती है जिसका मूल्यांकन करना संभव है ही नहीं। उसके अपरिमित योगदान को किसी भी पैमाने पर आंका नहीं जा सकता।

नाकाफी है सम्मान मात्र

हर साल 8 मार्च पूरे विश्व में महिलाओं के योगदान एवं उपलब्धियों की तरफ लोगो का ध्यान केन्द्रित करने के लिए महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। महिला दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य नारी को समाज में एक सम्मानित स्थान दिलाना और उसके स्वयं में निहित शक्तियों से उसका ही परिचय कराना होता है। इस सब के ढोल भी बजते हैं और बिगुल भी। जोर-शोर से केवल विशेष दिवस मात्र को मनाने की औपचारिकताएं पूरी की जाती रही हैं। जबकि वस्तुस्थिति यह है कि प्रतिदिन उसी महिला का हर जगह उपहास किया जाता है। साल भर नारी किन विषम स्थितियों में जीती है, कैसे वह संघर्ष करती है, अपने वजूद को बचाए रखती है, इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं। बस एक दिन उस अबला को सबला बता दो, उसे याद कर लो, फिर साल भर वही हाल ढाक के पात तीन के तीन।

राष्ट्रीय समृद्धि में अमूल्य योगदान

अपने व्यक्तित्व को समुन्नत बनाकर राष्ट्रीय समृद्धि के संबंध में नारी कितना बड़ा योगदान दे सकती है, इसे उन देशों में जाकर आँखों से देखा या समाचारों से जाना जा सकता है जहां नारी को मनुष्य मान लिया गया है और उसके अधिकार उसे सौंप दिए गए हैं। नारी उपयोगी परिश्रम करके देश की प्रगति में योगदान तो दे ही रही है, साथ ही साथ परिवार की आर्थिक समृद्धि भी बढ़ा रही है और इस प्रकार सुयोग्य बनकर रहने पर अपने को गौरवान्वित अनुभव कर रही है, जिससे परिवार को छोटा सा उद्यान बनाने और उसे सुरक्षित पुष्पों से भरा-पूरा बनाने में सफल हो रही है।

सफल पुरुष के पीछे नारी का हाथ

हम इतिहास की मानें तो पाते हैं कि नारी ने पुरुष के सम्मान एवं प्रतिष्ठा के लिए स्वयं की जान दांव पर लगा दी। नारी के इसी पराक्रम के चलते यह कहावत सर्वमान्य और सार्वजनीन बन कर साबित हुई कि प्रत्येक पुरुष की सफलता के पीछे एक स्त्री का हाथ होता है। आठ मार्च को मनाया जाने वाला यह सालाना उत्सव। माफ कीजियेगा कि मैंने उत्सव शब्द का प्रयोग महिला दिवस के परिप्रेक्ष्य में ही किया है क्योंकि मेरा स्पष्ट मानना है कि ये उत्सव ही तो है जहाँ वर्ष में कम से कम एक दिन सम्पूर्ण सृष्टि का सृजन करने वाली नारी शक्ति के योगदान की पूरे विश्व में सराहना की जाती है।

ये तो सर्वविदित ही है कि समाज निर्माण में जितना योगदान पुरुषों का होता है उतना ही योगदान स्त्री का भी रहा है, परन्तु जिस प्रकार का सम्मान पुरुषों को समाज में हर रोज मिलता है, उतना भी स्त्री को नहीं मिल पाता है।

इसका प्रमुख कारण महिलाओं को लेकर समाज की छोटी सोच रही है। परन्तु अब समय बदल गया है कुछ वर्षों पहले तक बहुत से ऐसे खेल थे जिसमे नारी को शारीरिक रूप से दुर्बल समझ कर खेलने से रोका जाता था। आज उन्हीं खेलों में वो अपना परचम लहरा रही है, फिर बात हो चाहे मुक्केबाज़ी, भारोत्तोलन, बैडमिंटन या फिर टेनिस की।

दैवत्व की प्रतिमूर्ति

नारी देवत्व की प्रतिमा है, साकार स्वरूप है। दोष तो सब में रहते हैं। सर्वथा निर्दोष तो एक परमात्मा ही है, उसके सिवाय कोई नहीं। अपने घर की नारियों में भी दोष हो सकते हैं पर तात्विक दृष्टि से नारी की अपनी विशेषता है उसकी आध्यात्मिक प्रवृत्ति। पुरुषार्थ प्रधान पुरुष अपनी जगह ठीक है पर आत्मिक संपदा की दृष्टि से वो हमेशा पीछे ही रहेगा। द्रुत गति से बढ़ता आ रहा नवयुग निश्चित रूप से अध्यात्म चेतना से भरा-पूरा होगा। मनुष्यों का चिंतन दृष्टिकोण उसी स्तर का होगा, अवस्थाएं परंपराएं उसी ढांचे में ढलेंगी, ढलती रहेंगी।

जनसाधारण की सोच और गतिविधियां भी उसी दिशा में होंगी। ऐसी स्थिति में नारी को हर क्षेत्र में विशेष भूमिका निभानी पड़ेगी। इन सभी प्रकार की अन्तर्बाह्य परिस्थितियों में यह कथन सर्वथा सत्य साबित होता है कि नारी ईश्वर की अनुपम कृति है जिसका मुकाबला न कभी नहीं कर पाएगा।

नारी उत्थान का युग है वर्तमान

वर्तमान युग को नारी उत्थान का युग कहा जाय तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आज हमारे देश भारत की महिलाएं हर क्षेत्र में अपना पताका फहरा रही हैं। मौजूदा सरकारें भी महिलाओं को हर क्षेत्र में अपना भविष्य निर्माण करने के अवसर उपलब्ध करा रही हैं जो महिलाओं के विकास के लिए रामबाण और संजीवनी सिद्ध हो रहे हैं। वर्तमान में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाली नारी किसी पर भार नहीं बनती वरन अन्य साथियों को सहारा देकर प्रसन्न होती है। यदि हम सभी विदेशी भाषा एवं पोशाक को अपनाने में गर्व महसूस करते हैं तो क्या ऐसा नहीं हो सकता कि उनके व्यवहार में आने वाले सामाजिक न्याय की नीति को अपनाएं और कम से कम अपने घर में नारी की स्थिति सुविधाजनक एवं सम्मानजनक बनाने में भी पीछे न रहे।

यदि जगाना आदि शक्ति को, सभी साथ मिलकर आएं,
याद दिलाएं खोयी शक्ति फिर, स्वयं जागें, औरों को भी जगाएं।

जरूरी हो चला है बदलाव

समाज में बदलाव की उम्मीद तब ही संभव है जब शुरूआत हम खुद से करें। हमारे घर में महिला को खुलकर जीने की आजादी नहीं है, वो अनेक प्रकार की कुरीतियों को झेल रही है, और हम समाज को बदलने निकलेंगे, तब कुछ भी बदलावा ला पाना संभव नहीं है।

इसके लिए हमें स्वयं को बदलना होगा , क्योंकि नारी को समाज से सम्मान नहीं चाहिये, वो अपने पति, बड़े-बुजुर्गों, अपने परिवार का प्यार और सम्मान पाना चाहती है, जिसकी वो हक़दार भी है । नारी के बिना सुखी परिवार की कल्पना बेमानी है। जैसे माँ बिना मायका नहीं, वैसे ही सास बिना ससुराल नहीं और आँगन में बेटी बिना बहू की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

नारी ! तुम केवल श्रद्धा हो
विश्वास-रजत-नग-पगतल में,
पीयूष-स्त्रोत सी बहा करो
जीवन के सुन्दर समतल में।

"त्याग, तपस्या, बलिदान की जीतीजागती मूरत है बेटी, जोहर ज्वाला पद्मावती का तो पन्ना का बलिदान है बेटी"

प्रकाशनार्थ आलेख

रीना अरविन्द छंगानी, जिला समन्वयक अधिकारी

उत्सुकता से चुप रह जाने का सफ़र

बेफिक्री से फिकर का सफ़र , रोने से चुप कराने का सफ़र , उत्सुकत्ता से संयम का सफ़र , पहले जो आँचलमे छुप जाया करती थी । आज किसी को आँचल में छुपा लेती हैं । पहले जो ऊँगली पे गरम लगने सेघर को सर पर उठाया करती थी । आज हाथ जल जाने पर भी खाना बनाया करती हैं । छोटी छोटी बातों पेरो जाया करती थी बड़ी बड़ी बातों को मन में रखा करती हैं । पहले दोस्तों से लड़ लिया करती थी ।आज उनसे बात करने को तरस जाती हैं । माँ कह कर पूरे घर में उछला करती थी । माँ सुन के धीरेसे मुस्कुराया करती हैं ।

बेफिक्री से जिम्मेदारी का सफ़र

10 बजे उठने पर भी जल्दी उठ जाना होता था । आज 7 बजे उठने पर भीलेट हो जाता हैं । खुद के शौक पूरे करते करते ही साल गुजर जाता था । आज खुद के लिए एक कपडालेने में आलस आ जाता हैं । पूरे दिन फ्री होके भी बिजी बताया करते थे । अब पूरे दिन काम करकेभी फ्री कहलाया करते हैं । साल की एक एग्जाम के लिए पूरे साल पढ़ा करते थे। अब हर दिन बिनातैयारी के एग्जाम दिया करते हैं ।

नादानियो से जिम्मेदारियों का सफ़र

ना जाने कब किसी की बेटी किसी की माँ बन गई । कब बेटी सेमाँ के सफ़र में तब्दील हो गई.....बेटी से माँ तक का सफर एक चंचल अल्हड़ युवती से लेकर एक जिम्मेदार, समझदार माँ तक का सफर है। इस सफर में बेटी सीधे माँ नहीं बनती है। इस सफर को तय करने के रास्ते में कई पड़ाव आते हैं। कुछ खट्टे-मीठे अनुभव, कुछ शारीरिक मानसिक और सामाजिक कई तरह के बदलाव आते हैं। बेटी माँ की लाडली, पिता की परी, किसी चीज का डर नहीं, किसी तरह की परेशानी या चिंता नहीं क्योंकि माँ पापा हैं ना सब देखने के लिए।

बाते मनवाने से बात मान जाने का सफ़र

बेटी सबकी लाड़ली, जो चाहे वो बात मनवा ले, पसंद ना आने पर खाना ना खाये, माँ मान मनुहार करके खिलाए, ना मानने पर फिर से पसंद का दूसरा खाना बना कर लाए। घर के छोटे-मोटे काम कर के उस का एहसान जाताना और बदले में माँ से तारीफ सुनना ये है एक बेटी की जिंदगी। जब भी कोई फरमाइश हो तो बस कहना भर होता था और देर से हे सही वो चीज़ सामने आ जाती थी आज बड़ा यायाद आता है वो पापा से अपनी हर बात बिना जिद किये मनवाना । जब भी कोई जिद हो तो भी माँ पापा कभी कुछ नहीं कहते, सिर्फ मुस्करा देते जैसे शायद जानते हो कि यहां से आगे का रास्ता हमें खुद ही तय करना है।

अल्हड बेटी से जिम्मेदार बहु का सफ़र

फिर शादी हो जाती है, एक बेटी किसी की बहू, किसी की पत्नी बन जाती है। एक दिन में पूरी दुनिया ही बदलजाती है। अब आपका मान मनुहार नहीं होता बल्कि आप सबका मान मनुहार करने लगती है। ससुराल में सबका ध्यान रखना, घर के सारे काम बड़े ही सलीके से करना। यहाँ सब आपको सम्पूर्ण गृहणी के रूप में देखना चाहते हैं, कोई यह नहीं समझता कि कल तक तो ये एक बेटी थी, लाडों से पली, एक दिन में परिपक्व (परफेक्ट) गृहणी कैसे बन सकती है! नए माहौल को समझने में समय लगता है। पर एक बहु से तो यही उम्मीद होती है की वो सब बातो की जानकर हो। लेकिन में यहाँ भी थोड़ी लकी हु की मुझे सास के रूप में माँ नसीब हुई और पिता के रूप में ससुर जी जिन्होंने ने मुझे हर एक चीज़ में इतना बेहतर बनाया और बेटी व् बहु में कभी फर्क न करते ही मुझे इस मुकाम तक पहुचाया ।

जिम्मेदार बहु से माँ का सफ़र

फिर शुरू हुवा माँ का सफ़र ....अभी जिन्दगी का उतार-चढाव समझ ही रही थी कि पता चला माँ बनने वाली हूँ। एक नया अनुभव होने वाला था। कुछ समय तक तो कुछ समझ में नहीं आया फिर नया जीवन अपने अन्दर होने का एहसास कराने लगा। धीरे-धीरे ये अनुभूति बढने लगी । अब मन भी बच्चे के आने की कल्पना करने लग गया । इसी कल्पना में धीरे-धीरे समय निकलता जाता है। धीरे-धीरे परेशानीयां भी बढ़ने लगती है, शरीर में बदलाव आने लगता है, फिर वो समय आ जाता है। माँ बनने की वो असहनीय पीढ़ा, वो परेशानी. एक बार तो लगा शायद जान ही निकल जायेगी, फिर बच्चे का जन्म।

पहली बार बच्चे को देखने के बाद सारी परेशानियों को भूल जाना शायद इसी को माँ कहते हैं। अब सारा समय बच्चे के लिए ही है। उसका ध्यान रखना, उसकी परवरिश में ही पूरा समय निकल जाना। अब तो जैसे अपना कोई अस्तित्व ही नहीं रह गया, सिर्फ माँ का ही अस्तित्व रह जाता है। बच्चे की छोटी-छोटी खुशी में खुश होना, पूरा समय उसके बारे में उसके भविष्य के बारे सोचने में निकल जाता है।

माँ की ममता का अहसास

अब समझ में आता है कि माँ क्या होती है। अब मैं माँ के दिल को समझ सकती हुँ। आज शादी के इतने वर्ष बाद माँ पापा का प्यार समझ में आने लगा है। सबसे खास बात माँ पापा की ये रही की उन्होंने कभी भी बेटे की चाह न राखी आज भी जब हम दोनों बहने कहती है की काश एक बेटा होता मम्मी पापा के तो आज वो अकेले नही होते तब उनके मुह से ये बात दिल को बड़ा सुकून देती है की तू हे मेरी बड़ी बेटी नही बेटा है और यही बात कभी कभी पतिदेव के मुह से सुनने को भी मिली है की मेरे बहार रहने के कारन तू ही मम्मी पापा का बेटा है बहु नही .....आशा करती हु की उन दोनों की इस बात पर में पूरी तरह से खरी उतर पाऊ ।

माँ पापा के बलिदान का महत्व

आज जब माँ पापा दूर है तो मन करता है जल्दी से मम्मी-पापा के पास चले जाऊँ, उनका सुख-दुख बाटूँ, उनके साथ समय व्यतीत करुँ। अपनी गलतियों के लिए क्षमा माँग लूँ जो मैने पहले की थी उनकी मर्जी के खिलाफ जाकर शादी करने की आज मई खुश हु और मुझे मेरे फैसले पर कोई पछतावा नही है लेकिन माँ पापा को दिया हुवा वो दुःख जिसकी पीड़ा मुझे जिन्दगी भर रहेगी । मुझे पता है उन्हें वे सब अब याद भी नहीं होगा। उन्हें तो मेरी अच्छाइयां ही याद रहती हैं। मन करता है माँ की गोद में सिर रख कर एक बेफिक्र नींद सो जाऊँ। क्योंकि माता पिता के बाद किसी से भी वैसा निस्वार्थ प्यार नहीं मिलता। क्योंकि माता पिता दोबारा नहीं मिलते हैं। ससुराल में जो बेहद याद आते है वो होते है पापा ...बेटी के लिए हीरो ....बहुत खुशी मिलती है आज जब माँ पापा कहते है हमें गर्व है तुझपर .....इस तरह कई अनुभव प्राप्त किये एक बेटी से माँ बनने में पर जो एक बात सीखी वो ये की जब आप खुद माँ बनते हो तब ही आपको अपने माता पिता के द्वारा आपके लिए किये गए संघर्ष का पता चलता है । मेरा बेटी से माँ तक के सफर ने मुझे काफी कुछ सीखाया है। इसलिए सभी बेटियों से कहना चाहुगी जीलो अपनी जिदगी बाद में तो कितने भी आजादी मिल जाये पर बंदिशे तो भी रहेगी ही। शोक तो माँ बाप ही पुरे करते है बाद में तो सिर्फ जरूरते पूरी होती है ।

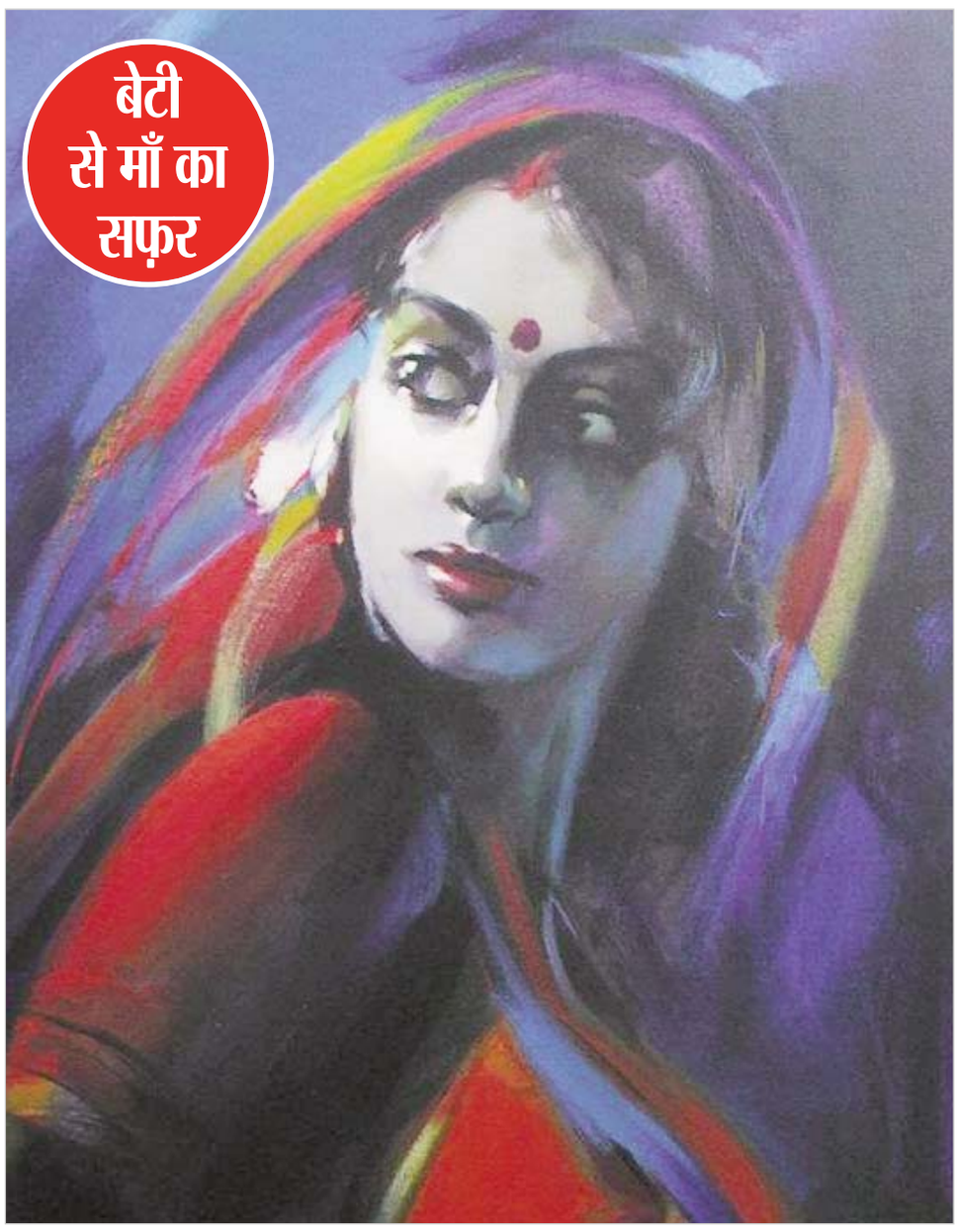

शराब पार्टी शराब पार्टी शराब पार्टी

रईशजादों की शराब पार्टी पर पुलिस रेड, 13 युवती समेत 23 धरे गए

वडोदरा, शहर के अलकापुरी क्षेत्र के ग्रीनवुड बंगले में चल रही रईशजादों की पार्टी में शामिल युवक-युवतियों के उस समय होश उड़ गए, जब पुलिस ने अचानक रेड की पुलिस ने घटनास्थल से 13 युवती और 10 युवक समेत करीब रु 27 लाख का माल सामान जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के अलकापुरी क्षेत्र में गोत्री-सेवासी रोड स्थित ग्रीनवुड्स बंग्लोज के 5 नंबर के मकान में शनिवार देर रात शराब पार्टी चल रही थी। किसी के बर्थ डे के उपलक्ष्य में आयोजित इस पार्टी में युवक और युवतियां शराब पीकर झूम रही थीं। रात्रिगश्त के दौरान लक्ष्मीपुरा में पुलिस को इसकी जानकारी मिली और उसने ग्रीनवुड्स बंग्लोज के 5 नंबर मकान में रेड की। घर के भीतर 13 युवती और 10 युवक शराब के नशे में झूम रहे थे। चार-पांच ब्रांड की महंगी विदेशी शराब बोतलें टेबल पर रखी हुई थीं। पुलिस की जांच में बाथरूम से वोडका की खाली बोतल समेत बड़ी मात्रा में शराब से भरी बोतलें भी बरामद हुई। पुलिस ने 13 युवक और 10 युवक समेत 23 लोगों को हिरासत में ले लिया। साथ ही घटनास्थल से लक्जरी कार समेत करीब रु 27 लाख का माल सामान जब्त कर लिया। बी डिवीजन एसीपी बकुल चौधरी ने बताया कि 13 युवती और 10 युवक कॉलेज के विद्यार्थी हैं। युवकों ने शराब पी रखी थी, जिससे उनके खिलाफ मद्यनिषेध के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। जबकि 13 युवतियों के ब्लड सैम्पल जांच के लिए भेजे गए हैं।

यदि उनमें से किसी युवती के आल्कोहोल का सेवन किया होने का खुलासा होगा तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। फिलहाल युवतियों को छोड़ दिया गया है।

डुप्लीकेट आयुष्मान कार्ड बनाने के गोरखधंधे का पर्दाफाश, एक गिरफ्तार

सूरत, सूरत पुलिस ने नकली आयुष्मान कार्ड बनाने के गोरखधंधे का पर्दाफाश करते हुए भावनगर के एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। सूरत के एक वृद्ध को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था और वहां आयुष्मान कार्ड पेश किया गया। जिसका नंबर सत्यापित करते वक्तआयुष्मान कार्ड फर्जी निकला। जानकारी के मुताबिक सूरत के कतारगाम क्षेत्र की गजानंद पार्क सोसायटी निवासी खीमजीभाई रामजीभाई मोणपरा को 5 जुलाई 2020 को दिल का दौरा पड़ने के बाद उपचार के लिए उन्हें शहर के महावीर होस्पिटल में दाखिल किया गया था। होस्पिटल में खीमजीभाई के परिवार ने आयुष्मान कार्ड पेश किया। कार्ड नंबर वेरीफाई किया गया तो आयुष्मान कार्ड फर्जी निकला। पूछताछ में पता चला कि खीमजीभाई ने अपना और अपने दो बेटों का कार्ड भावनगर के मुकेश मकवाणा नामक शख्स से बनवाए थे। जिसके लिए खीमजीभाई ने प्रति कार्ड 700 रुपए के हिसाब से 2100 रुपए दिए थे। कार्ड फर्जी होने का खुलासा होने के बाद मुकेश मकवाणा को फोन कर इस बारे में पूछा गया तो उसने कोई सही जवाब नहीं दिया। जिसके बाद खीमजीभाई बेटों ने जिला पंचायत के स्वास्थ्य विभाग में अपने कार्ड की जांच करवाई। जिसमें तीनों कार्ड नकली निकले। बताया जाता है कि 5 मई 2019 को सूरत के कतारगाम क्षेत्र में एक स्नेह मिलन समारोह हुआ था। जिसमें भावनगर का मुकेश डाह्याभाई मकवाणा टैबल लगाया था और लोगों से कहा था कि वह आयुष्मान कार्ड बनाने का काम करता है। उस वक्त खीमजीभाई का मुकेश से संपर्क हुआ था। जिसके एक महीने बाद मुकेश ने खीमजीभाई को फोन किया और उनका आयुष्मान कार्ड निकालने के लिए सूरत आया। खीमजीभाई को सूरत के सिंगणपोर क्षेत्र में आधार कार्ड लेकर मुकेश ने बुलाया। खीमजीभाई अपना और अपने बेटों के आधार कार्ड की जिरोक्स कॉपी लेकर पहुंच गए और प्रति कार्ड रु 700 के हिसाब से रु 2100 मुकेश मकवाणा को दे दिए। मुकेश ने तीन डुप्लीकेट आयुष्मान कार्ड खीमजीभाई को दे दिया। फिलहाल सूरत की चौकबाजार पुलिस ने मुकेश मकवाणा को गिरफ्तार कर इस गोरखधंधे की तह तक पहुंचने के प्रयास तेज कर दिए हैं।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

फार्म फ्रेश फेस्टिवल-2021 का राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने किया उद्घाटन

नागरिकों को रोग मुक्त बनाने काराज्य सरकार का संकल्प: राज्यपाल

टिकाऊविकास के मार्ग पर प्रगति कर रहा है गुजरात: मुख्यमंत्री

फार्म फ्रेश फेस्टिवल से किसान और ग्राहक दोनों को लाभ: उप मुख्यमंत्री

अहमदाबाद, राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी ने रविवार को अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट में गुजरात सरकार के कृषि, किसान कल्याण और सहकारिता विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय फार्म फ्रेश फेस्टिवल का मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की प्रेरक उपस्थिति में उद्घाटन किया। राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी ने कहा कि राज्य का नागरिक रोग मुक्त बने यही राज्य सरकार का संकल्प है। उन्होंने इस मौके पर राज्य सरकार की ओर से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों को लेकर संतोष व्यक्त किया। राज्यपाल ने प्राकृतिक खेती को गति देने के लिए गो-पालन के लिए विशेष सहायता देने की राज्य सरकार की योजना की प्रशंसा की। उन्होंने डांग जिले को प्राकृतिक जिला घोषित करने की राज्य सरकार की नवीन पहल का भी इस अवसर पर उल्लेख किया। राज्यपाल देवव्रत ने अहमदाबाद के नागरिकों से इस सुंदर आयोजन का अधिकतम लाभ उठाने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने इस अवसर पर कहा कि गुजरात सतत अथवा टिकाऊविकास के मार्ग पर प्रगति कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोगों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। फार्म फ्रेश फेस्टिवल की पृष्ठभूमि में उन्होंने कहा कि जनता को रसायन मुक्त आहार मिले और किसानों को बेहतर दाम मिले उस मकसद से राज्य सरकार की ओर से फेस्टिवल का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि इस फार्म फ्रेश फेस्टिवल के परिणामस्वरूप अहमदाबाद के लोगों को शुद्ध आहार तथा किसानों को अच्छी कीमत मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में अहमदाबाद के अलावा राजकोट, वडोदरा और सूरत में भी फार्म फ्रेश फेस्टिवल का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद संवाददाताओं के साथ वार्तालाप में कहा कि राज्यपाल के मार्गदर्शन में गुजरात राज्य में प्राकृतिक खेती की मुहिम को रफ्तार मिल रही है और किसान बड़ी संख्या में प्राकृतिक खेती की दिशा में मुड़ रहे हैं।

सार-समाचार

अमेरिका में सूरत मूल के पटेल दंपत्ति पर गोलीबारी, पत्नी की मौत

सूरत,अमेरिका के मेरीलैंड में मोटेल व्यवसायी और सूरत के मूल निवासी पटेल दंपत्ति पर अज्ञात शख्सों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। शुक्रवार की मध्यरात्रि की इस घटना में पत्नी की मौत हो गई और पति गंभीर रूप से घायल हो गया। सूरत के भरथाणा के मूल निवासी दिलीप पटेल वर्षों से अमेरिका में परिवार के साथ रहते हैं। पिछले 20 साल से अमेरिका के मेरीलैंड में मोटेल व्यवसायी दिलीप पटेल शुक्रवार की मध्यरात्रि पत्नी उषा पटेल के साथ अपने मोटेल पर बैठे थे ।उस वक्तअचानक वहां पहुंचे अज्ञात शख्सों ने पटेल दंपत्ति पर अंधाधुंध फायरिंग की और फरार हो गए। गोलीबारी गंभीर रूप से घायल पटेल दंपत्ति को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान उषा पटेल की मौत हो गई। जबकि दिलीप पटेल अस्पताल में उपचाराधीन हैं। दिलीप पटेल के पैर और सीने में गोली लगी है। दिलीप पटेल का बड़ा बेटा केयूर पटेल विवाहित है और छोटा पुत्र केतुल पटेल अविवाहित है। सूरत के भरथाणा स्थित दिलीप पटेल का मकान बंद है। दिलीप पटेल का बड़ा बेटा भी मोटेल व्यवसाय से जुड़ा है।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने सपत्नीक अंबाजी के दर्शन किए

बनासकांठा,कोरोना से स्वस्थ होने और स्थानीय निकायों में शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी अपनी पत्नी अंजली रूपाणी के साथ अंबाजी पहुंचे। अंबाजी मंदिर देवस्थान ट्रस्ट द्वारा पटका एवं कुमकुम तिलक लगाकर रूपाणी दंपत्ति का स्वागत किया गया। रूपाणी दंपत्ति ने अंबाजी की पूजा-अर्चना और आरती की और गुजरात की जनता के स्वास्थ्य एवं लगातर विकासशील रहने की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की भव्य विजय के बाद मैं मां अंबाजी के चरणों में शीश झुकाने आया हूं। शानदार जीत के बाद जिन लोगों की आशा, आकांक्षा हम पूरी कर सकतेहैं और गुजरात आगे बढ़े और हमेशा सुरक्षित रहे तथा गुजरातियों पर मां अंबा का आशीर्वाद लगातार बना रहे यह कामना की है। इस अवसर पर अंबाजी मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन और कलेक्टर आनंद पटेल ने मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को स्मृति चिह्न अर्पण किया।

निकाय चुनाव में भाजपा की जीत के बाद लोटते हुए मंदिर पहुंचा समर्थक

अहमदाबाद,शहर के एक समर्थक ने स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत के लिए मन्नत मांगी थी। चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के बाद समर्थक दो किलोमीटर लोटते हुए मंदिर पहुंचा और देवी माता के दर्शन कर अपनी मन्नत पूरी की घटना है अहमदाबाद के असारवा क्षेत्र की असारवा रहनेवाले भाजपा समर्थक राजु पारेख प्राइवेट जॉब करते हैं । चुनाव के दौरान उम्मीदवारों का समर्थन करते हैं और उसकी जीत के लिए मन्नत मांगते हैं। हाल ही में संपन्न हुए अहमदाबाद नगर निगम चुनाव में असारवा वार्ड में भाजपा पैनल की जीत के लिए राजु पारेख ने मन्नत मांगी थी। चुनाव में असारवा वार्ड नहीं पूरे अहमदाबाद में भाजपा ने भव्य

शख्स ने कोरोना टीके की दूसरी खुराक ली, फिर भी हो गया संक्रमित

अहमदाबाद,गुजरात में कोरोनारोधी टीके की दूसरी खुराक लेने के बाद भी एक व्यक्ति संक्रमण का शिकार हो गया। यह जानकारी गांधीनगर के सीएमओ डॉक्टर एमएच सोलंकी ने दी। संक्रमित होने वाला शख्स स्वास्थ्यकर्मी है।

डॉक्टर सोलंकी ने बताया, 'गांधीनगर जिले के देहगाम तालुका निवासी स्वास्थ्यकर्मी ने पहली खुराक 16 जनवरी को और दूसरी खुराक 15 फरवरी को ली थी। उन्हें बुखार आया और उनके लक्षणों की जांच करने पर उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई है।' सीएमओ ने कहा, 'हालांकि लक्षण बेहद हल्के होने के कारण उन्हें घर में आइसोलेशन में रखा गया है।

उन्होंने बताया कि वह सोमवार से काम करने की स्थिति में होंगे।' संक्रमण क्यों हुआ इसके बारे में डॉक्टर सोलंकी का कहना था कि टीके की दोनों खुराक लेने के बाद शरीर में एंटीबॉडी बनने में सामान्य रूप से 45 दिन का समय लगता है।

उन्होंने कहा कि टीके की दोनों खुराक लेने के बावजूद सुरक्षित बने रहने के लिए लोगों को मास्क पहनना चाहिए और दो गज की दूरी सहित कोविड-19 से जुड़े सभी नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए।

शुक्रवार की शाम तक गुजरात में 2,72,240 लोगों के संक्रमित होने और संक्रमण से 4,413 लोगों की मौत होने की पुष्टि हुई है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिजली, पानी के बाद अब दिल्ली में फ्री में लगेगी कोरोना वैक्सीन, सरकार जल्द करेगी घोषणा

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार के अस्पतालों में सभी आयु वर्ग के लोगों को जल्द निशुल्क कोरोना वैक्सीन लगेगी। दिल्ली सरकार इस बारे में जल्द घोषणा करेगी। जानकारी के अनुसार इस बारे में प्लान बनाया जा रहा है। दिल्ली में सरकार के जितने भी अस्पताल हैं वहां पर वैक्सीन लगाने का इंतजाम किया जाएगा।

दरअसल अब ये देखा जा रहा है कि कई राज्यों में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में फिर से इजाफा होने लगा है। मरने वालों की संख्या भी बढ़ रही है। हालांकि वैक्सीन आ गई है मगर अभी तक ये सभी को उपलब्ध नहीं हो पाई है। केंद्र सरकार सभी को वैक्सीन मुहैया करा रही है। अभी तक फ्रंट लाइन वॉरियर्स को ही ये टीका लगाया जा रहा था मगर अब ऐसी व्यवस्था की गई है कि लोग

पैसा देकर भी वैक्सीन लगवा सकते हैं। इस बीच दिल्ली सरकार ने ये योजना बनाई है कि हर उम्र के लोगों को फ्री में ये वैक्सीन उपलब्ध कराई जाए जिससे संक्रमण का खतरा कम हो सके। कई राज्यों में कोरोना के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इसको देखते हुए राजधानी दिल्ली में भी एहतियात के तौर पर कदम उठाए जा रहे हैं। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कुछ दिन पहले फैसला किया था कि देश के कुछ राज्यों में फिर से कोरोना के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है इस वजह से दिल्ली में मेट्रो ट्रेन और बसों में यात्रियों की संख्या को पूर्ववत ही रखा जाए जिससे कोरोना के प्रसार को रोका जा सके। लॉकडाउन खोले जाने के बाद एहतियात के तौर पर अब तक ये चीजें पूरी क्षमता से नहीं चलाई जा रही है। फिलहाल इनको अगले दो सप्ताह तक ऐसे ही चलाने का निर्णय लिया गया है जिससे कोरोना के प्रसार को रोका जा सके। महाराष्ट्र, केरल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों में नए कोरोना के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। यदि इन राज्यों में मरीज बढ़ रहे हैं तो संभावना है कि दिल्ली में भी मरीजों की संख्या बढ़ जाए। चूंकि अब राज्यों में आवागमन बिना रोक टोक के हो रहा है ऐसे में इनके फैलने की अधिक संभावना पैदा हो गई है। इससे पहले उपराज्यपाल अनिल बैजल ने डीडीएमए की बैठक की अध्यक्षता की, इसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, मुख्य सचिव विजय देव और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया था। पिछले हफ्ते दिल्ली परिवहन विभाग ने डीडीएमए को एक प्रस्ताव भेजा था इसमें कहा गया था कि बस में यात्रियों की संख्या में इजाफा हो रहा है जिसको देखते हुए अब यात्रियों को को सार्वजनिक बसों में खड़े होने की अनुमति दी जाए।

राकेश टिकैत से तीखे सवाल पूछने वाली छात्रा महिला दिवस पर की जाएगी सम्मानित

नई दिल्ली/ बहादुरगढ़। दिल्ली के बादली के ढांसा बार्डर के मंच पर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के प्रवक्ता राकेश टिकैत से तीखे सवाल पूछने वाली छात्रा को सम्मानित किया जाएगा। भारत भूमि बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष रमेश दलाल ने बताया कि सात मार्च को निलौठी गांव में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में छात्रा को सम्मानित किया जाएगा।

रमेश दलाल ने कहा कि राकेश टिकैत से एक बेटी ने सवाल पूछ लिए, लेकिन टिकैत कोई जवाब नहीं दे सके। छात्रा से माइक छीन लिया गया। वह बेटी निलौठी में आए और इस मंच के माध्यम से चाहे हजार सवाल पूछे, उनका जवाब दिया जाएगा। आखिर युवाओं की बात नहीं सुनेंगे तो किसकी सुनेंगे।

बेटी की आवाज को दबाना गलत

रमेश दलाल ने कहा कि राकेश टिकैत द्वारा बेटी की आवाज को दबाना गलत था। उसकी आवाज को दबाना नहीं चाहिए था बल्कि बोलने का मौका देना चाहिए था। संविधान सत्याग्रह आंदोलन को लेकर दलाल ने कहा कि जमीन का उचित मुआवजा लेकर ही रहेंगे।

बता दें कि हरियाणा की छात्रा से माइक छीनने की घटना का निलौठी में चल रहे धरने में विरोध किया गया है। दरअसल,भूमि अधिग्रहण के मसले पर निलौठी में पांच राज्यों के किसानों का संविधान सत्याग्रह आंदोलन के तहत 51 दिन से धरना चल रहा है। इस धरने में शामिल लोगों ने एक सुर में राकेश टिकैत की कड़ी निंदा की और छात्रा को सम्मानित करने का फैसला है। फिलहाल छात्रा या उसके परिजनों की तरफ से इस मामले में कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आ पायी है।

क्या है पूरा मामला

राकेश टिकैत ढांसा बार्डर पर प्रदर्शनकारियों को संबोधित करने पहुंचे थे। इसी दौरान हरियाणा से आई एक छात्रा मंच पर गई और कुछ बोलने की इच्छा जाहिर की। मंच पर मौजूद लोगों ने छात्रा को माइक दे दिया। छात्रा ने राकेश टिकैत से पूछा कि अगर प्रदर्शनकारी और सरकार अपने रुख पर अड़े रहे तो यह धरना प्रदर्शन कहां तक जाएगा आखिर यह खत्म कब होगा। आखिर समस्या का हल कैसे निकलेगा। छात्रा के सवालों का जवाब टिकैत नहीं दे पाए। मंच पर बैठे प्रदर्शनकारी छात्रा से माइक छीन लिए और उसका नाम, पता पूछने लगे। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

दिल्ली मैराथन में विजेता खिलाड़ियों को खेल मंत्री ने किया सम्मानित

नई दिल्ली। एथलेटिक फैडरेशन आफ इंडिया की तरफ से रविवार सुबह जवाहर लाल नेहरू (जेएलएन) स्टेडियम में मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन में विजेता खिलाड़ियों को खेल मंत्री किरन रिजिजू ने सम्मानित किया। इस मौके पर सांसद मीनाक्षी लेखी भी मौजूद रही। मैराथन जेएलएन स्टेडियम से शुरू होकर स्टेडियम में ही खत्म हुई। मैराथन के अंतर्गत दौड़ की तीन श्रेणियां रहीं। पहली श्रेणी फुल मैराथन 42 किलोमीटर की हो रही है, जो सुबह साढ़े चार बजे से शुरू हुई। इसमें 200-200 के समूह में एथलीट भाग ले रहे हैं। वहीं, दूसरी श्रेणी हाफ मैराथन में 21 किलोमीटर की हो रही है, जो सुबह साढ़े छह बजे से शुरू हुई । इसमें 200 एथलीट भाग ले रहे हैं। वहीं, तीसरी श्रेणी में 10 किलोमीटर की दौड़ हुई है, जो सुबह साढ़े सात बजे से शुरू हुई । इसमें भी 200 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं।इस दौरान स्टेडियम के गेट नंबर 13 और आठ से आम लोग और एथलीट प्रवेश कर सकेंगे। वहीं, वीआइपी और मीडिया को गेट नंबर पांच से प्रवेश दिया गया। मैराथन के दौरान यातायात प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

इन रास्तों पर रहा यातायात प्रतिबंधित

मैराथन के दौरान भीष्म पितामाह मार्ग, मथुरा रोड, लोधी रोड, लोधी रोड फ्लाई ओवर, लाला लाजपत राय मार्ग, जनपथ रोड, सी हेक्सागन इंडिया गेट, शेरशाह रोड, राजपथ, शाहजहां रोड, पंडारा रोड, मान सिंह रोड, अकबर रोड, पुराना किला रोड, डा राजेंद्र प्रसाद रोड और सीजीओ कांपलेक्स रोड आदि जगह यातायात बंद रहा।

खादी कलस्टर शुरु होते ही 1000 लोगों को मिलेगा रोजगार, काम करने वाले होंगे खुद के मालिक

गाजियाबाद। रजापुर ब्लॉक के गांव सादतनगर इकला में खादी का कलस्टर शुरू होगा। इससे आसपास के आधा दर्जन से अधिक गांव के करीब एक हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। केंद्र सरकार की योजना स्कीम ऑफ फंड फार द जेनरेशन ऑफ ट्रेडिशनल इंडस्ट्रीज (स्फूर्ति) के साथ ही सीएस दिशा फाउंडेशन संस्था कार्य कर रही है। केंद्र सरकार की स्फूर्ति योजना के तहत खादी कलस्टर के लिए दिशा फाउंडेशन संस्था ने योजना के तहत सादतनगर इकला में भूमि चिह्नित कर 15 वर्षों के लिए लीज पर लिया है। यह पश्चिमी उत्तर प्रदेश का पहला खादी कलस्टर है। पांच करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले खादी कलस्टर में केंद्र सरकार की ओर से 90 फीसदी की सब्सिडी है, जबकि 10 फीसदी की लागत दिशा फाउंडेशन संस्था वहन करेगी। केंद्र सरकार से फंड जारी होने के साथ ही इसका निर्माण का कार्य शुरू होने के साथ ही इससे मशीनें व अन्य उपकरण खरीदे जाएंगे। योजना के तहत कुल 973 लोगों को रोजगार मिलेगा, जिनमें 769 महिलाएं व 204 पुरुष होंगे।

स्कूलों के 25 लाख रसोइयों की अब सुध लेगी सरकार, मानदेय दोगुना करने की तैयारी

नई दिल्ली। अब सिर्फ स्कूल की ही रसोई नहीं गमकेगी बल्कि स्कूली बच्चों के लिए स्वादिष्ट और पौष्टिकता से भरपूर गरमागरम खाना तैयार करने वाले रसोइयों के घर की रसोई भी महकेगी। केंद्र सरकार सरकारी स्कूलों में खाना बनाने वाले देशभर के 25 लाख से ज्यादा रसोइयों (कुक कम हेल्पर) के मानदेय में फिलहाल बढ़ोतरी करने की तैयारी में है। जो कम से कम दोगुनी की जा सकती है। हालांकि इसे तीन गुना तक बढ़ाने का प्रस्ताव है लेकिन इस समय आर्थिक स्थिति को देखते हुए इसे दोगुना करने की तैयारी है।

हर माह इतना बढ़ जाएगा मानदेय

इस योजना पर अमल हुआ तो उन्हें हर माह न्यूनतम दो हजार रुपए का मानदेय मिलेगा। स्कूलों में खाना बनाने वाले इन रसोइयों को मौजूदा समय में सिर्फ एक हजार रुपए ही मानदेय दिया जाता है। जिसमें छह सौ रुपए केंद्र सरकार देती है और बाकी के चार सौ रुपए राज्यों को देने होते हैं।

खास बात यह है कि इनके मानदेय में पिछले दस सालों से कोई बढ़ोतरी नहीं की गई। इनके मानदेयों में अंतिम बार बढोत्तरी 2009 में की गई थी।

15वें वित्त आयोग ने की है सिफारिश

हालांकि कुछ राज्यों ने इनकी स्थिति को देखते हुए अपने स्तर पर इनके मानदेय में बढ़ोतरी कर रखी है। यह स्थिति तब है कि जब देश में अकुशल श्रमिकों की भी न्यूनतम मासिक मजदूरी कम से कम दस हजार तय है। हाल ही में 15वें वित्त आयोग ने भी इनके मानदेय में बढ़ोतरी की सिफारिश की है।

रसोइयों में 90 फीसद महिलाएं

शिक्षा मंत्रालय से जुड़े सूत्रों की मानें तो स्कूलों में खाना तैयार करने वाले रसोइयों के मानदेय में बढ़ोतरी प्रस्तावित है। नए बजट की मंजूरी के बाद इसे लेकर जरूरी निर्णय लिए जाएंगे। स्कूलों में खाना बनाने वाले रसोइयों में 90 फीसद महिलाएं है। ऐसे में सरकार इन महिलाओं को जल्द ही बड़ी खुशखबरी देने की तैयारी में है।

प्रशिक्षण देने की भी योजना

सूत्रों का कहना है कि रसोइयों के काम-काज को और बेहतर बनाने के लिए इन्हें प्रशिक्षण देने की योजना पर भी काम चल रहा है। जिसमें इन सभी को खाने के पोषक तत्वों को सहेजने सहित खाने में और क्या पौष्टिक चीजें शामिल की जा सकती है, इससे भी अवगत कराया जाएगा। गौरतलब है कि मिड-डे मील योजना के तहत स्कूलों में पढ़ने वाले करीब 12 करोड़ बच्चों को ताजा खाना उपलब्ध कराया जा रहा है।

रानी झांसी फ्लाईओवर के निर्माण में 546 करोड़ रुपये का हुआ घपला : आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया है कि रानी झांसी फ्लाईओवर निर्माण में 546 करोड़ का घपला हुआ है। भाजपा शासित उत्तरी नगर निगम ने 175 करोड़ के इस फ्लाईओवर का निर्माण 724 करोड़ में कराया है। वहीं दिल्ली सरकार ने 302 करोड़ के शास्त्रीपार्क फ्लाईओवर का निर्माण ढाई सौ करोड़ में ही करा दिया।

आप के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर निगम की आडिट रिपोर्ट दिखाई। पाठक ने कहा भाजपा ने सरकारी एजेंसी के बजाय पार्टी के नेताओं और स्थानीय अभियंताओं से जमीन का अधिग्रहण कराया। लगभग 10 करोड़ रुपये बिना किसी अनुमति के खर्च किए। इस फ्लाईओवर के निर्माण का निर्णय 1995 में लिया गया था, लेकिन 2018 में तैयार हुआ। इसके निर्माण का जब फैसला लिया गया तो टेंडर की लागत 175 करोड़ तय की गई थी, लेकिन बनते-बनते लागत 724 करोड़ पहुंच गई। इस हिसाब से भाजपा ने लगभग 549 करोड़ रुपये अधिक लगाए। 54 पन्नों की इस आडिट रिपोर्ट में 70 आपत्तियां जताई गई हैं।

इसमें एक में कहा गया है कि इस जमीन के बीच में एक धार्मिक स्थान सरकारी जमीन पर था। उसका जब अधिग्रहण किया गया तो अभिषेक गुप्ता नाम के एक व्यक्ति को 26 करोड़ रुपये दिए गए। ये अभिषेक गुप्ता कौन हैं, इसकी जानकारी अब तक किसी को मिल नहीं सकी है। उधर उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने आप के प्रवक्ता दुर्गेश पाठक द्वारा रानी झांसी फ्लाईओवर के निर्माण में लगाए गए घोटाले के आरोपों को निराधार बताया है।

साथ ही दिल्ली सरकार पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की वजह से रानी झांसी फ्लाईओवर के निर्माण में देरी हुई थी। दिल्ली में पहले कांग्रेस की सरकार थी फिर आप की सरकार ने रानी झांसी फ्लाईओवर के निर्माण में सहयोग नहीं दिया और फंड भी नहीं दिया। इसके अलावा दिल्ली सरकार द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र देने में भी देरी की थी।

बढ़ते कोरोना मामलों के बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने की आठ राज्यों के साथ बैठक, टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट पर जोर देने को कहा

नई दिल्ली। कुछ राज्यों में बढ़ते संक्रमण ने केंद्र की चिंता बढ़ा दी है। केंद्र ने ऐसे राज्यों से 'परीक्षण, पहचान और उपचार' की पुरानी रणनीति पर लौटने और ध्यान केंद्रित करने को कहा है, जिसका महामारी की चरम अवस्था के समय अप्रत्याशित लाभ देखने को मिला था। राज्यों से एंटीजेन टेस्ट की जगह आरटी-पीसीआर टेस्ट बढ़ाने आग्रह किया गया है। साथ ही जिन क्षेत्रों में ज्यादा मामले मिल रहे हैं, उनकी निगरानी और कड़े नियंत्रण पर पुनर्विचार करने को भी कहा गया है।

बैठक के दौरान यह बताया गया कि दिल्ली के नौ, हरियाणा के 15, आंध्र प्रदेश के 10, ओडिशा के 10, हिमाचल प्रदेश के नौ, उत्तराखंड के सात, गोवा के दो और चंडीगढ़ के एक जिले के हालात चिंतित कर रहे हैं, क्योंकि इन जिलों में कुल जांच की संख्या कम हो गई है, साप्ताहिक संक्रमण की दर बढ़ गई है, आरटी-पीसीआर पर निर्भरता कम हुई और संक्रमितों के संपर्क में आने वाले लोगों की पहचान में भी कमी आई है। इन वजहों से पड़ोसी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भी संक्रमण बढ़ सकता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण और नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) वीके पॉल ने हरियाणा, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, गोवा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली और चंडीगढ़ के स्वास्थ्य सचिवों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रबंध निदेशकों के साथ बैठक में उक्त बातें कहीं। बयान के मुताबिक पिछले कुछ दिनों के दौरान इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में संक्रमण के मामले बढ़े हैं।

बैठक में इन राज्यों में बढ़ते संक्रमण से निपटने के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा की गई। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से महामारी से निपटने की प्रभावी रणनीति 'टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट' यानी संभावित मरीजों की जांच, उनके संपर्क में आने वाले कम से कम 20 लोगों की पहचान और संक्रमितों के बेहतर उपचार को फिर अपनाने पर जोर दिया गया। देश में जब कोरोना महामारी अपनी चरम पर थी और रोजाना करीब एक लाख नए मामले सामने आने लगे थे, तब इस रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसका अच्छा नतीजा मिला और मामलों में लगातार कमी आती गई।

कोरोना वैक्सीन की कोई खुराक नहीं खरीदेगा पाकिस्तान! फिर क्या है उसका महामारी को रोकने का एक्शन प्लान

नई दिल्ली। पाकिस्तान में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के कुल 587014 मामले सामने आ चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक बीते सात दिनों में करीब छह फीसद मामले बढ़े हैं। वहीं ठीक होने वालों की संख्या 556769 है। इसके अलावा यहां पर 13128 मरीज अब तक इस महामारी की चपेट में आने के बाद से दम तोड़ चुके हैं। पाकिस्तान में कोरोना महामारी का असर हर जगह देखने को मिला है। आर्थिक रूप से बदहाल होते पाकिस्तान में ये ताबूत में एक और कील ठोकने जैसा साबित हुई है। लोगों के इसकी वजह से काम-धंधे चौपट हो गए हैं, रोजगार के साधन कम होने से बेरोजगारी की संख्या बढ़ी है। वर्ष 2015 से लगातार यहां पर बेरोजगारी की दर में इजाफा हो रहा है। महंगाई की वजह से लोग परेशान हैं। रही सही कसर यहां की खस्ताहाल स्वास्थ्य सेवाओं ने पूरी कर दी है। इन सभी के बावजूद सरकार कोविड-19 की कोई खुराक खरीदने को तैयार नहीं है।

फ्री की वैक्सीन पर भरोसा

भले ही ये बात सुनने पर बड़ी अजीब लगे, लेकिन पाकिस्तान की सच्चाई यही है। दरअसल, दो दिन पहले ही पाकिस्तान के अखबार द डॉन ने एक खबर में बताया कि सरकार का कोई प्लान फिलहाल कोरोना वैक्सीन खरीदने का नहीं है। इसके लिए पाकिस्तान पूरी तरह से फ्री की वैक्सीन पर टिका हुआ है। नेशनल हेल्थ सर्विस के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मेजर जनरल आमिर आमेर इकराम का कहना है चीन की बनाई केनसिनो वैक्सीन की एक खुराक की कीमत करीब 13 डॉलर तक है। पाकिस्तान को अपने मित्र देशों पर पूरा भरोसा है कि वो इन वैक्सीन को उन्हें फ्री में देंगे। पब्लिक अकाउंट कमेटी को जानकारी देते हुए एनआईएचएस के सचिव आमिर अशरफ ख्वाजा ने बताया कि चीन की कंपनी सिनोफार्म ने उन्हें दस लाख कोरोना वैक्सीन की खुराक देने का वादा किया है। आपको बता दें कि चीन पहले ही पाकिस्तान को इस कंपनी की 5 लाख खुराक मुहैया करवा चुका है।

इस साल तक का टार्गेट

पाकिस्तान सरकार का कहना है कि इस वर्ष तक करीब सात करोड़ लोगों का टीकाकरण कर दिया जाएगा। आमिर के मुताबिक पाकिस्तान को करीब 1 करोड़ 60 लाख वैक्सीन की खुराक भारत में बनी ऑक्सफॉर्ड-एस्ट्राजेनेका कोविड-19 वैक्सीन डब्ल्यूएचओ की योजना गावी के तहत मिलेंगी जो पाकिस्तान की करीब 20 फीसद जनसंख्या को लग सकेंगी।

हर्ड इम्यूनिटी पर दांव

अखबार की खबर के मुताबिक पाकिस्तान कोरोना महामारी से लड़ने के लिए इस बात की उम्मीद लगाए हुए है कि हर्ड इम्यूनिटी को विकसित किया जाए। उसको उम्मीद है कि हर्ड इम्यूनिटी चीन की बनाई वैक्सीन से मिल सकती है। लेकिन इसकी एक सच्चाई ये भी है कि हर्ड इम्यूनिटी को विकसित करने के लिए कम से 50-60 फीसद जनता को इस वैक्सीन की खुराक देनी होगी, तब कहीं जाकर हर्ड इम्यूनिटी की बात की जा सकती है। इसमें जितनी देरी होगी उतने ही मामले बढ़ेंगे और इन पर काबू पाना मुश्किल होगा। आपको बता दें कि पाकिस्तान चीन की वैक्सीन के अलावा संयुक्त राष्ट्र की हेल्थ एजेंसी विश्व स्वास्थ्य संगठन की कोवैक्स योजना के तहत फ्री में मिलने वाली वैक्सीन की भी राह तक रहा है। पाकिस्तान मीडिया के मुताबिक कोवैक्स योजना के तहत उसको मई 2021 तक 14,640,000 खुराक मुहैया करवा दी जाएंगी। आपको बता दें कि डब्ल्यूएचओ इस योजना के तहत उन देशों को वैक्सीन मुहैया करवा रहा है जो देश वैक्सीन को खरीदने या उसको अपने दम पर विकसित करने में सक्षम नहीं हैं। इसके तहत पाकिस्तान करीब 150 देशों को वैक्सीन मुहैया करवाएगा। यहां पर एक खास बात बतानी ये भी जरूरी है कि इस योजना में वैक्सीन विकसित करने के तहत भारत ने भी आर्थिक योगदान दिया है।

कई राज्यों में तूफान के साथ बारिश की चेतावनी, जाने दिल्ली-एनसीआर का हाल

नई दिल्ली। देश के ज्यादातर हिस्सों में फिलहाल तापमान में तेजी देखी जा रही है। सुबह और शाम की हल्की सर्दी के अलावा पूरे दिन उत्तर भारत समेत देश के कई राज्यों में तापमान में बढ़ोतरी देखी जा रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण रविवार को दिल्ली में बारिश हो सकती है। ताजा अनुमानों में कुरुक्षेत्र, गंगोह, कैथल, यमुना नगर, सहारनपुर और आसपास के इलाकों में हल्की से लेकर मध्यम बारिश की संभावना है। इसके साथ ही उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में वर्षा हो सकती है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के साथ भारी बारिश की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में सात मार्च तक छिटपुट से लेकर अच्छी खासी बारिश हो सकती है। इन क्षेत्रों में 8 से 10 मार्च के दौरान भी बारिश के आसार हैं। बारिश के साथ ही बादल गरजने और बिजली चमकने की भी संभावना है।

दिल्ली में होगी बारिश, गर्मी से मिलेगी राहत

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 7 मार्च को वेस्टर्न डिस्टरबेंस के प्रभाव से सीजन की पहली आंधी और हल्की बूंदाबांदी की संभावना व्यक्त की गयी है। मौसम विभाग की मानें तो 7 मार्च

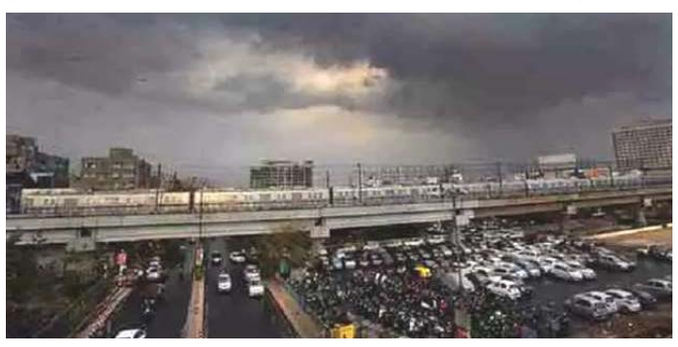

को 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी हवाएं चलेंगी। साथ ही कुछ इलाकों में बूंदाबांदी की भी आशंका है. वहीं, तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच ही रहने का अनुमान है।

हिमाचल के आठ जिलों में भारी बारिश-बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट

हिमाचल प्रदेश में मौसम में बदलाव दिख रहा है। प्रदेश के कई क्षेत्रों में 7 मार्च यानी आज बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। रविवार को मध्य और उच्च पर्वतीय आठ जिलों में भारी बारिश और बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। 11 मार्च तक पूरे प्रदेश में बादल बरसने का पूर्वानुमान है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम में यह बदलाव आ रहा है। वहीं शिमला जिले के सिधपुर क्षेत्र में आज सुबह तेज बर्फबारी हुई।

उत्तर प्रदेश में भी हो सकती है बारिश

इसके अलावा, मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि 6 और 7 मार्च को वेस्टर्न यूपी में बादल गरजने के साथ हल्की बारिश और ओले पड़ सकते हैं। वहीं, 7 को ही पश्चिम उत्तर प्रदेश की अलग-अलग जगहों पर बिजली चमकने के साथ आंधी आने की आशंका जताई जा रही है।

उत्तराखंड में हो सकती है बर्फबारी

मौसम विभाग का अनुमान है कि उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में बारिश के साथ बर्फबारी हो सकती है। वेस्टर्न हिमालय क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है, जिसकी वजह से उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी की चेतावनी जताई जा रही है। उत्तराखंड मौसम विभाग के मुताबिक, चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी और पिथौरागढ़ जिलों के कुछ हिस्सों में आने वाले 4 दिन हल्की बारिश और बर्फबारी की आशंका है। 7 मार्च को राज्य में बिजली गिरने और ओलावृष्टि का अनुमान जताया गया है।

पुर्वोत्तर भारत में भारी बारिश की संभावना

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और नगालैंड में 7 मार्च तक भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही पश्चिमी विक्षोभ के कारण पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 9 से 12 मार्च के बीच तूफान के साथ बर्फबारी और बारिश होने की बात कही गई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)